आश्विन कृष्ण - 9 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 76 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 08-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 तेंदुलकर की तरह विश्व कप विजेता बनना चाहते हैं रोहित

6 राइफलमैन सुरजन सिंह भंडारी: गोलीबारी के बीच 'वज्र' की तरह किया आतंकवादियों पर प्रहार

7 साा पाने के लिए झूठे वादे करने का राहुल गांधी का मॉडल विफल हो गया है : ठाकुर

फर्स्ट टेक

हमास का हमला इजराइल की 'खुफिया विफलता' का नतीजा

यरुशलम/भाषा। विशेषज्ञों का कहना है कि इजराइल के दक्षिणी हिस्सों में गाजा पट्टी में शासित चरमपंथी समूह हमास की ओर से शनिवार की सुबह किया गया हमला इजराइल की 'खुफिया विफलता'' का नतीजा है। इजराइली सेना के अनुसार, हमास के आतंकवादियों ने गाजा पट्टी से इजराइल में 5,000 से अधिक रॉकेट दागे। हमास ने शनिवार को इजराइल पर अभूतपूर्व हमला करते हुए हजारों रॉकेट दागे जबकि हमास के सैकड़ों लड़ाके हवाई, जमीनी और समुद्र के रास्ते इजराइली सीमा में घुस गए। हमला शुरू होने के कई घंटे बाद भी, हमास के चरमपंथी कई इजराइली इलाकों में गोलीबारी कर रहे थे। हमास के इस हमले ने इजराइल को चौंका दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इजराइल को हमेशा अपनी खुफिया एजेंसियों, घरेलू इकाई शिन बेट और विशेष रूप से अपनी बाहरी जासूसी एजेंसी मोसाद पर गर्व रहा है, लेकिन इस हमले से उसकी 'खुफिया विफलता' दिखाई पड़ती है।

अवायु सेना को मिलेगा नया ध्वज

नई दिल्ली/वार्ता। वायु सेना को उसके 91 वें स्थापना दिवस पर रविवार को नया ध्वज मिलेगा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी स्थापना दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित समारोह में नये वायु सेना ध्वज का अनावरण करेंगे। इसके साथ ही यह दिन वायु सेना के इतिहास में ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो जायेगा। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नया वायु सेना ध्वज भारतीय वायु सेना के मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रकट करने के लिए बनाया गया है।

तमिलनाडु के एवलांच में दो बाघों की मौत जहरखुरानी की वजह से हुई: एनटीसीए रिपोर्ट

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु वन विभाग ने शनिवार को कहा कि छह मृत बाघ शावकों की माताओं की पहचान की कोशिश डीएनए विश्लेषण के जरिये की जा रही है, जबकि नीलगिरि के एवलांच में दो बाघों की मौत जहरखुरानी की वजह से हुई। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की विशेषज्ञों की एक टीम ने इस साल अगस्त और सितंबर में छह शावकों समेत 10 बाघों की मौत के सिलसिले में 25 सितंबर को विस्तृत क्षेत्रीय मूल्यांकन किया। उस टीम ने 'अपनी टिप्पणियों और निष्कर्ष' में मौतों की वजह पर गौर किया। एक सरकारी बयान कहा गया है कि एनटीसीए दल ने एवलांच में दो बाघों की मौत का कारण जहरखुरानी बताायाा है। बयान के अनुसार, ''यह जहरखुरानी का स्पष्ट मामला है।

इजराइल पर हमास का हमला

100 से अधिक इजराइली मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। शनिवार को एक प्रमुख यहूदी अवकाश के दौरान सुबह एक अभूतपूर्व अप्रत्याशित हमले में हमास के चरमपंथियों ने गाजा पट्टी के निकट इजराइली शहरों पर हजारों रॉकेट दागे और वहां दर्जनों लड़ाके भेजे, जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इजराइल की राष्ट्रीय बचाव सेवा ने कहा कि 100 से अधिक लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं, जिससे यह इजराइल में पिछले कुछ वर्षों में सबसे घातक हमला बन गया है। इसके अलावा, अज्ञात संख्या में इजराइली सैनिकों और नागरिकों को पकड़कर गाजा में ले जाया गया है।

हमले के स्तर और समय ने इजराइलियों को चौंका दिया। हमास के लड़ाकों ने लंबे समय से अवरुद्ध भूमध्यसागरीय क्षेत्र को घेरने वाली सीमा बाड़ को तोड़ने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया, फिर मोटरसाइकिल, पिकअप ट्रक, पैराग्लाइडर और तेज गति वाली नौकाओं से तट पर पहुंच गए।

इजराइली कस्बों की सड़कों पर मृत इजराइली नागरिकों और हमास चरमपंथियों के शव देखे गए। एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों में बंदूकधारियों से घिरी एक अपहृत बुजुर्ग इजराइली महिला को एक गोल्फ कार्ट पर गाजा में वापस लाते हुए देखा गया। वहीं एक अन्य महिला मोटरसाइकिल पर दो लड़ाकों के बीच बैठी हुई दिखी। ऐसी तस्वीरें सामने आयी हैं, जिसमें हमास के बंदूकधारी काबू किए गए सैनिकों और नागरिकों को मोटरसाइकिलों पर गाजा में लाते हुए दिखे। साथ ही इसमें वे इजराइली सैन्य वाहनों को सड़कों पर घुमाते हुए दिखे। साथ ही सोशल मीडिया पर हमास लड़ाकों के कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। एक वीडियो में गाजा के भीतर एक इजराइली सैनिक के शव को फलस्तीनियों की गुस्साई भीड़ द्वारा घसीटते हुए देखा जा सकता है।

इस हमले के एक बड़े संघर्ष में तब्दील होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। हमास-इजराइल के बीच पिछले संघर्षों में गाजा में बड़े पैमाने पर लोगों की मौत और विनाश हुआ था।

हमास की तरफ से भारी संख्या में रॉकेट दागे जाने और दक्षिणी इजराइल में चरमपंथियों की घुसपैठ के बाद नेतन्याहू ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने दावा किया कि हमास ''ऐसी कीमत चुकाएगा, जैसा उसने सोचा भी न होगा।''

इजराइल की जवाबी कार्रवाई में गाजा पट्टी में 198 मारे गए

इजराइल ने कहा कि वह अब हमास के साथ युद्धरत है और जवाबी कार्रवाई में गाजा पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। हमला शुरू होने के कई घंटे बाद भी, हमास के चरमपंथी कई इजराइली इलाकों में गोलीबारी कर रहे हैं। हमास के इस हमले ने इजराइल को चौंका दिया है। गाजा में फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल की जवाबी कार्रवाई में गाजा पट्टी में कम से कम 198 लोग मारे गए हैं और कम से कम 1,610 घायल हुए हैं।

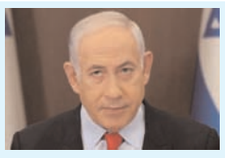

''हम युद्धरत हैं। यह कोई अभियान नहीं, बल्कि एक युद्ध है।'' -बेंजामिन नेतन्याहू

इजरायल में आतंकवादी हमलों की खबर से गहरा सदमा लगा। हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम इस कठिन समय में इज़रायल के साथ एकजुटता से खड़े हैं। -प्रधानमंत्री मोदी

बेंगलूरु में पटाखा दुकान में आग लगने से 12 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु के अनेकल तालुक के अट्टीबेले इलाके में शनिवार को एक पटाखा गोदाम-सह-दुकान में आग लगने से 12 लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि दुकान के मालिक समेत चार लोग झुलस गए, जिनका इलाज चल रहा है। उसने बताया कि घायलों में एक गंभीर रूप से झुलस गया है तथा उसे दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, घटना शाम करीब साढ़े चार बजे हुई। उसने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर मौजूद हैं। पुलिस अधीक्षक (बेंगलूरु ग्रामीण) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा, जिस वक्त आग लगी उस वक्त कुछ कर्मचारी दुकान के अंदर काम कर रहे थे। हमने मौके से छह जले हुए शव बरामद किए हैं। दुकान के भीतर अन्य कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका के बीच तलाशी अभियान अब भी जारी है।

भारत एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र : प्रधान

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को भारत को एक महत्वाकांक्षी देश बताया और कहा कि यह अगले 25 साल में वैश्विक मामलों का केंद्र बन जाएगा तथा दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल होगा। प्रधान यहां नए सिम्बायोसिस ईशान्या भवन का उद्घाटन करने आए थे। शिक्षा मंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''अगले 25 वर्ष में भारत वैश्विक मामलों के केंद्र में होगा। हमारा देश दुनिया के शीर्ष तीन देशों में होगा...भारत एक महत्वाकांक्षी देश है।'' पुणे के बारे में बात करते हुए प्रधान ने कहा, ''पुणे विचारों और नवाचारों का शहर है। समृद्ध इतिहास वाला यह शहर शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में हमेशा शीर्ष पर रहता है। यह वैश्विक शहर शिक्षा का केंद्र है।''

तीन नए कानूनों से

क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम नए युग में बदलने जा रहा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/वार्ता। उत्तराखंड के देहरादून में 49वीं अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कांग्रेस को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि फॉरेंसिक साइंस के उपयोग, सीसीटीएनएस व आईसीजेएस की भूमिका और आईपीसी, सीआरपीसी तथा एविडेंस एक्ट को बदलने वाले तीन नए कानूनों से भारत का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम अमृतकाल में एक नए युग में प्रवेश करने जा रहा है। शाह ने कहा कि काउन्टर टेररिज्म के

एप्रोच में जीरो टॉलरेंस की नीति से आगे बढ़, जीरो टॉलरेंस स्ट्रेटजी और जीरो टॉलरेंस एक्शन को अपनाकर आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने का समय आ गया है।

शाह ने कहा कि तीन नए क्रिमिनल लॉ में आतंकवाद और संगठित अपराध की व्याख्या कर, मोदी सरकार ने देश को इनसे सुरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने देश में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के अनेक परिवर्तन किए हैं। अमृतकाल में इन परिवर्तनों को जमीन पर उतार कर इनका सुफल देश को देने का समय है। उन्होंने आह्वान किया कि देश के युवा पुलिस ऑफिसर्स देश के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा, राज्यों में साइबर सुरक्षा का ऑडिट, सोशल मीडिया और वीजा की लगातार मॉनिटरिंग जैसे नए विषयों पर काम करें।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों के सामने ये लक्ष्य रखा है कि जब देश की आज़ादी की शताब्दी मनाई जाएगी, उस वक्त विश्व में हर क्षेत्र में भारत सर्वप्रथम हो, ऐसे भारत का निर्माण करना है।

'बदलाव का केंद्र बिंदु बनें किसान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/सूरतगढ़/वार्ता। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कृषि में बदलावों की आवश्यकता पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि भारत के किसान को कृषि सम्बंधित तकनीक का पूरा फायदा उठाना चाहिए ताकि उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार हो सके।

धनखड़ ने सूरतगढ़ में राष्ट्रीय बीज निगम के परिसर में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीक न केवल उत्पादन के क्षेत्र में, बल्कि निर्यात, आयात और विपणन के क्षेत्र भी किसानो लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा,किसान बदलाव का केंद्र बिंदु बने और किसान कृषि उत्पादों के व्यापार में अपना उचित स्थान बनाए। किसान कृषि अनुसंधान एवं विकास का केंद्र बने और निर्यात में हमारे बच्चे प्रमुख भूमिका निभाएं। धनखड़ ने कहा कि कृषि उत्पादों का

मार्केट बहुत बड़ा है, लेकिन इसमें किसानों की भागीदारी पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने किसान को कृषि उत्पादकों के व्यापार पर अपना यथा उचित स्थान तथा कृषि सम्बंधित अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जिससे किसानों को समृद्धि की दिशा में अग्रसर करने और देश के निर्यात क्षेत्र में नए पीढ़ियों को अवसर मिले। उपराष्ट्रपति ने कहा,किसानों को तकनीक का पूरा फायदा उठाना चाहिए। उत्पादन की अगर गुणवत्ता बढ़ती है, तो उसका मूल्य कई गुना होता है। पर आप तक फायदा तब आयेगा जब उत्पादन के साथ उसकी मार्केटिंग और निर्यात में आपकी भागीदारी हो। देश के आर्थिक विकास पर प्रकाश डालते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि किसानों के प्रयासों के कारण ही 5वीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बने हैं। किसानों को समर्थन और सशक्तिकरण की दिशा में सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा की देश का किसान इतना सक्षम हो गया है कि पीएम किसान सम्मन निधि के माध्यम से भेजी जाने वाली राशि किसान सीधे अपने बैंक खाते में प्राप्त कर रहा है, इसमें कोई बिचौलिया नहीं है, और न ही किसी प्रकार का कमीशन देना पड़ता है।

08-10-2023 सूर्यास्त 5:54 बजे | 09-10-2023 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
65,995.63 (+364.06)	19,653.50 (+107.75)

सोना	चांदी
5,992 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	76,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

संजय उवाच

राजनीति में हर कोई,
अपने अपने सिक्के तोले।
जब-जब भी होते हैं चुनाव,
बन जाते हैं बिल्कुल भोले।
खुद की नंगाई ढँकने को,
प्रतिपक्षी के कपड़े खोले।
पर राजा यदि धृतराष्ट्र नहीं,
तब संजय सच कैसे बोले।।

हिन्दी पखवाड़े के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

राजभाषा मार्गदर्शिका का विमोचन करते हुए अतिथिगण।

दपरे के हुब्बल्ली मंडल ने हिंदी पखवाड़ा के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के हुब्बल्ली मंडल में गत दिनों हिन्दी पखवाड़ा धूमधाम से मनाया या। मंडल के हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे से राजभाषा प्रदर्शनी के साथ किया था। इस हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 6 अक्टूबर को रेलवे ऑफिसर्स क्लब, हुब्बल्ली में किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथिमंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) हर्ष खरे थे। समारोह में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य)संतोष कुमार वर्मा सहित हुब्बल्ली मंडल के अनेक वरिष्ठ रेल अधिकारी और रेल कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। संतोष कुमार वर्मा ने समारोह में उपस्थित सभी रेल अधिकारियों, कर्मचारियों और विजेताओं का हार्दिक स्वागत किया।

उन्होंने अपने स्वागत भाषण में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हुब्बल्ली मंडल की राजभाषा शाखा द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इसकी बदौलत रेल कर्मचारियों में हिंदी में काम करने की रुचि बढ़ी है एवं हिंदी में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या में गणनीय वृद्धि हुई है। राजभाषा अधिकारी सचिन जैन ने हुब्बल्ली मंडल द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों का संक्षिप्त लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मंडल में कार्यरत रेल अधिकारियों/कर्मचारियों में हिंदी के प्रति अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए मंडल के बड़े स्टेशनों पर सुप्रसिद्ध साहित्यकारों की जयंतियां मनाई गईं और हिंदी कार्यशाला, हिंदी प्रदर्शनी, हिंदी में सेमिनार एवं हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मुख्यअतिथि हर्ष खरे ने सरकारी कामकाज में हिंदी में मूल नोटिंग और ड्राफ्टिंग करने वाले विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पूरे ज़ोनल रेल में लागू इस योजना में भाग लेने वाले कर्मचारियों की संख्या हुब्बल्ली मंडल में सबसे अधिक है। इससे पता चलता है कि मंडल में कर्मचारियों में हिंदी के प्रति काफी उत्साह है। आगे उन्होंने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियम एवं नियम के उपबंधों के अनुपालन में अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसीलिए उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हर संभव प्रयास करें।

राजभाषा विभाग की दस हजार शब्द योजना के अंतर्गत सरकारी कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करने वाले 85 रेल अधिकारियों/कर्मचारियों तथा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में तथा कार्यान्वयन क्षेत्र में सहयोग करने वाले कुल 10 कर्मचारियों को और हिंदी पखवाड़े के दौरान रेल अधिकारियों/कर्मचारियों तथा रेलवे स्कूल के बच्चों के लिए आयोजित हिंदी निबंध, वाक् और टिप्पण व प्रारूप-लेखन, हिंदी स्मरण, हिंदी टंकण, हिंदी प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के कुल 95 विजेताओं को प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर हिंदी सहायक साहित्य राजभाषा मार्गदर्शिका का विमोचन किया गया। रेलवे स्कूल के विद्यार्थियों एवं रेल कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अनुवादक आर.एन. नदाफ ने किया वहीं वरिष्ठ अनुवादन जीआर नारायणाद्रि ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सहज स्मृति योग

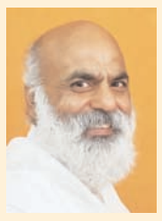

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, यदि नित्य-मुक्त और नित्य-चैतन्य ही गुरु स्वरूप में किसी मनुष्य में प्रकट होता है तो फिर जो पहले ही से मुक्त और आनंद स्वरूप है उसका इस संसार में मनुष्य रूप में प्रकट होने का उद्देश्य ही क्या है ? क्योंकि सनातन परंपरा में मानव जीवन का उद्देश्य ही जनम मरण से मुक्ति है, ऐसा सुनता आया हूँ?

उत्तर: मुख्य उद्देश्य तो यही है कि प्रत्येक मनुष्य अपने दिव्य स्वरूप का साक्षात्कार जीते जी कर सके। इसके लिए पूर्ण दृष्टि का दान कर या भिक्षा देकर आश्रित को परम सुख या पूर्णता प्रदान करने का निमित्त बने रहना ही गुरु के शरीर धारी होने का उद्देश्य होता है। गुरु ही पूर्ण होते हैं और बिना पूर्ण हुए गुरु नहीं होते हैं। जो गुरु होते हैं वे हमारी-आपकी तरह शरीरधारी दिखते भर हैं।पर, अपने चैतन्य में वे अशरीरी ही होते हैं। उनमें हर क्षण सोते जागते स्वप्न देखते ज्ञानज्वाला निरंतर धधकती रहती है और, शिष्य के रूप में साक्षात् प्रस्तुत होकर हम कभी भी यह प्रमाण स्वयं अपने अनुभव में उनके सत्संग में प्राप्त कर सकते हैं। गुरु की जीवनअवधि या कार्य कुछ कुछ वैसे ही है जैसे कोई नाविक लोगों को पार उतारने हेतु अपने दैनिक कार्यकाल में बारंबार फेरी करता है। अंतर है तो इतना कि गुरु नाव, नाविक, नदी और दोनों किनारे अर्थात् संसार और सार सब स्वयं ही है। इसीलिए परंपरा से गुरु के संग को सनातन सत्संग कहा और सुना जाता है क्योंकि उनका स्वरूप दृष्टि में नित्य-मुक्त और नित्य-चैतन्य होता है।

महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

गडचिरोली/भाषा। महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में कई मुठभेड़ों, आगजनी और हत्या की घटना में शामिल रही एक महिला नक्सली ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उसपर कुल 11 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल द्वारा जारी बयान के मुताबिक, पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बीजापुर की रहने वाली रजनी ने बताया कि नक्सल कमांडर उस जैसे कार्यकर्ताओं से गतिविधियों के लिए जबरन वसूली करने को कहते हैं, लेकिन वे उन पैसों का उपयोग अपने लिए करते हैं। वेलादी के हवाले से कहा गया है, ''वरिष्ठ माओवादियों द्वारा महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। शादीशुदा सदस्य स्वतंत्र विवाहित जीवन नहीं जी सकती हैं।''

जीएसटी परिषद ने लेबल वाले मोटे अनाज के आटे पर 5 प्रतिशत कर लगाने का फैसला किया: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी परिषद ने शनिवार को लेबल वाले मोटे अनाज के आटे पर पांच प्रतिशत कर लगाने का फैसला किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह जानकारी दी। आटे को पैक करके उस पर लेबल लगाकर बेचने पर जीएसटी लागू होगा।

ऐसा आटा, जिसमें कम से कम 70 प्रतिशत मोटे अनाज हों, उसे खुला बेचने पर शून्य प्रतिशत जीएसटी लागू होगा, लेकिन पैक करके और लेबल लगाकर बेचने पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में और राज्यों के समकक्षों की मौजूदगी में हुई 52वीं जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के अध्यक्ष और सदस्यों की अधिकतम आयु सीमा तय करने का भी निर्णय लिया गया।

इसके तहत जीएसटीएटी अध्यक्ष की अधिकतम आयु 70 वर्ष और सदस्यों की अधिकतम आयु 67 वर्ष होगी। इससे पहले यह सीमा क्रमश: 67 वर्ष और 65 वर्ष थी।

परिषद ने शीरा पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने और मानव उपभोग के लिए एल्कोहल को लेवी से छूट देने का फैसला किया।

विपक्षी गठबंधन 'अस्थायी समूह' है, भाजपा के लिए चुनौती नहीं : खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' एक 'अस्थायी समूह' है और यह भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं है।

भाजपा के नेता ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि हरियाणा सरकार ने राज्य में हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा को कुछ ही घंटों में नियंत्रित कर लिया। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जननायक जनता पार्टी (जजपा) के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन पर उन्होंने कहा कि इस पर फैसला दिल्ली में भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'कोई चुनौती नहीं है, न ही कोई डर है।' खट्टर ने कहा, वे (विपक्ष) मोदी जी से डरते हैं, इसलिए वे भावनात्मक मुद्दा बनाने के लिए 'इंडिया' नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह उनकी मजबूरी है। उन्होंने कहा, लेकिन ऐसा नहीं है कि इंडिया नाम से कोई बड़ा फर्क पड़ेगा। एक बार डीके बरुआ ने कहा था कि 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा'... इंडिया नाम इस्तेमाल करने से कोई फर्क नहीं पड़ता, सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति और पार्टी की विचारधारा क्या है... उनकी उपलब्धियां क्या हैं, उनके कार्यों का लोगों पर क्या प्रभाव है।'

न्यायाधीश मीडिया से प्रभावित नहीं होते : न्यायाधीश पी.डी. नाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय के न्यायधीश प्रकाश डी. नाइक ने शनिवार को कहा कि मीडिया के बारे में लोगों की धारणा यह है कि वह मामलों को गहनता से प्रचारित करने में लग जाता है और अदालत में मामले की सुनवाई होने से पहले ही अपना ''निर्णय'' दे देता है, लेकिन न्यायाधीश मीडिया से प्रभावित नहीं होते हैं। वह मडगांव के जी.आर. करे विधि कॉलेज में एक व्याख्यान शृंखला में छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

न्यायामूर्ति नाइक ने 'मीडिया ट्रायल' पर उनकी राय के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''यह हमेशा कहा जाता है कि मीडिया ट्रायल नाम की कोई चीज होती है। मैं यह नहीं कहूंगा कि न्यायाधीश मीडिया से प्रभावित होते हैं... (अगर मैं ऐसा कहता हूं) तो आप कहेंगे कि हम (मीडिया रिपोर्ट) पढ़कर फैसले दे रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि आम जनता का मानना है कि मीडिया आजकल किसी व्यक्ति विशेष द्वारा किए गए अपराध को प्रचारित करने या उस पर अदालत में मुकदमा चलाने से पहले ही अपना ''फैसला'' सुनाने में व्यस्त रहता है।

न्यायाधीश ने कहा कि मीडिया इस हद तक नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि कभी-कभी अदालत में जाने से पहले गवाहों का साक्षात्कार लिया जाता है।

न्यायमूर्ति नाइक ने कहा कि ऐसा कहा जाता है कि इस तरह के 'मीडिया ट्रायल' का अभियोजन पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''लेकिन, जहां तक मेरा सवाल है, मैं हमेशा तथ्यों पर चलूंगा। प्रत्येक न्यायाधीश को तथ्य के आधार पर चलना चाहिए कि अदालत के समक्ष क्या सबूत हैं और अभियोजन पक्ष ने मामले को कैसे साबित किया है।'' न्यायमूर्ति नाइक ने कहा, ''न्यायाधीश मीडिया से प्रभावित नहीं होते।''

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने रैली में लोगों से पूछा

मुझे फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए या नहीं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से पूछा है कि क्या उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए और क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फिर से सत्ता में लाया जाना चाहिए? उन्होंने शुक्रवार को भोपाल से 450 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित डिंडोरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ये सवाल पूछे। इन सवालों को लेकर चौहान पर निशाना साधते हुए विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर दबाव बनाने के लिए लोगों से ऐसे सवाल पूछना शुरू कर दिया है, क्योंकि मोदी ने हाल के अपने भाषणों में मुख्यमंत्री के नाम का उल्लेख करना बंद कर दिया है और उन्हें मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर कर दिया है।

विधानसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के राजनीतिक हलकों में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा चौहान को दरकिनार किए जाने की अटकलें जोरों पर हैं। आगामी चुनावों के लिए भाजपा ने कई दिग्गज नेताओं को उम्मीदवार बनाया है और पार्टी के सत्ता बरकरार रखने की स्थिति में इन दिग्गजों को मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जा रहा है। चौहान ने कहा, ''मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि मैं अच्छी सरकार चला रहा हूं या खराब। तो क्या इस सरकार को आगे जारी रहना चाहिए या नहीं? क्या मामा (जैसा कि उन्हें लोकप्रिय रूप से कहा जाता है) को मुख्यमंत्री बनना चाहिए या नहीं?'' उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों से यह भी पूछा कि क्या नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए और क्या भाजपा की (राज्य और केंद्र में) सत्ता बरकरार रहनी चाहिए? रैली में उपस्थित लोगों ने जब इन सभी सवालों का जवाब 'हां' में दिया तो उन्होंने कहा, ''तो भाइयों और बहनों, आइए संकल्प लें कि जो हमारा सहयोग करेगा, हम उसका समर्थन करेंगे।''

चौहान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ ने कहा कि इससे पता चलता है कि भाजपा की हताशा चरम पर है। उन्होंने सोशल मीडिया मीडिया 'एक्स' पर कहा, ''मध्य प्रदेश भाजपा में हताशा चरम पर है। पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेना बंद कर दिया और उन्हें मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर कर दिया। इसके जवाब में प्रधानमंत्री पर दबाव बनाने के लिए पहले तो मुख्यमंत्री ने जनता के बीच यह पूछना शुरू किया कि मैं चुनाव लड़ूं या नहीं लड़ूं और अब सीधे पूछ रहे हैं कि मोदी जी को प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए या नहीं।''

महिलाओं से जुड़े मामलों में अदालतों से संवेदनशील होने की उम्मीद : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों में अदालतों से संवेदनशील होने की उम्मीद की जाती है। इसी के साथ शीर्ष अदालत ने एक व्यक्ति और उसकी मां की अपीलों को खारिज कर दिया।

व्यक्ति को निचली अदालत ने अपनी पत्नी के प्रति क्रूर व्यवहार का दोषी करार दिया था। व्यक्ति ने इस फैसले को चुनौती दी थी। पीड़िता की जहर से मौत हो गई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अदालतों से उम्मीद की जाती है कि वे प्रक्रिया संबंधी तकनीकी खामियों, लापरवाह जांच या सबूतों में महत्वहीन खामी के आधार पर अपराधियों को बचने नहीं दें क्योंकि अपराधी के दंडित नहीं होने पर पीड़ित पूरी तरह से हतोत्साहित हो जाएंगे।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने शुक्रवार को दिए अपने फैसले में कहा, ''अदालतों से महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में संवेदनशील होने की उम्मीद की जाती है।''

शीर्ष अदालत ने यह फैसला दो दोषियों की अपील पर सुनाई जिन्होंने मार्च 2014 में उत्तराखंड उच्च न्यायाय द्वारा दिए फैसले को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा था, जिसने 2007 में दर्ज मामले में मृतका के पति और सास को दोषी ठहराया था।

गुरुग्राम पुलिस को गोरक्षक मोनू मानेसर की चार दिन की हिरासत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। गुरुग्राम की एक अदालत ने जुनैद-नासिर हत्याकांड के आरोपी गोरक्षक और बजरंग दल कार्यकर्ता मोनू मानेसर की चार दिन की पुलिस हिरासत शनिवार को मंजूर कर ली। पुलिस ने बताया कि शनिवार को मानेसर को पटौदी की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तरन्नुम खान की अदालत में पेश किया गया। गुरुग्राम पुलिस ने सात दिन की हिरासत मांगी, लेकिन अदालत ने चार दिन की हिरासत प्रदान की।

मानेसर के वकील कुलभूषण भारद्वाज ने कहा, पुलिस ने मोनू मानेसर की सात दिन की हिरासत मांगते हुए कहा कि महाराष्ट्र से उसके साथी के पास से अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद किया जाएगा। पुलिस ने यह भी कहा कि गैंगस्टरों के साथ उसके संबंध का पता लगाने के लिए मोनू से पूछताछ की जाएगी। इसके बाद, अदालत ने मोनू मानेसर की चार दिन की पुलिस हिरासत की अनुमति दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्होंने मानेसर को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

बघेल ने भाजपा को बताया आरक्षण विरोधी, पूछा- केंद्र सरकार क्यों नहीं करा रही जनगणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरक्षण के खिलाफ होने का आरोप लगाया और पूछा कि केंद्र सरकार जनगणना क्यों नहीं करा रही है।

आगामी चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की एक कथित सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस पर कटाक्ष करते हुए बघेल ने कहा कि वायरल सूची से भाजपा की अंदरूनी कलह का पता चलता है। संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि भाजपा सवाल उठा रही है कि राज्य सरकार ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की है, इसपर बघेल ने कहा, 'भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। जब अदालत ने पूछा कि राज्य सरकार ने किस आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है, तब ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए गणना की गई।'' बघेल ने कहा, ''गणना में पाया गया कि राज्य में 43.5% ओबीसी और 3.5% ईडब्ल्यूएस हैं, जिसके आधार पर उनके लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। क्या भाजपा नहीं मानती कि राज्य में 43% से ज्यादा ओबीसी हैं? अगर उन्हें विश्वास नहीं है तो वे 2021 की जनगणना क्यों नहीं कराते। जब हम सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कर सकते हैं, बिहार सर्वेक्षण कर सकता है तो भाजपा (केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार) ऐसा क्यों नहीं कर सकती।''

पाकिस्तानी मीडिया को वीजा देना बीसीसीआई का काम, वह प्रयास कर रहा है : आईसीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। पाकिस्तानी प्रशंसकों और मीडिया को वीजा दिये जाने में देरी पर पीसीबी द्वारा फिर निराशा जताये जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा कि बीसीसीआई भारत में विश्व कप की कवरेज के लिये आने का इंतजार कर रहे पाकिस्तानी पत्रकारों को वीजा दिलाने के लिये प्रयास कर रहा है । करीब 60 पाकिस्तानी पत्रकार विश्व कप कवर करने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं । नीदरलैंड के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच में पाकिस्तान को काफी घरेलू समर्थन मिला लेकिन पाकिस्तान का कोई पत्रकार या प्रशंसक मौजूद नहीं था।

कराची में जन्मे मोहम्मद बशीर अमेरिकी नागरिक हैं और यहां पाकिस्तान की हौसलाअफजाई के लिये आये हैं ।

आईसीसी विश्व कप का आयोजक है तो बीसीसीआई मेजबान । आईसीसी प्रवक्ता ने कहा ,'' वीजा दिलाना मेजबान बीसीसीआई का काम है और हमारे पूरे सहयोग के साथ वह इस पर काम कर रहा है । इस मसले को सुलझाने के पूरे प्रयास किये जा रहे हैं ।''

पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा ,'' हम आईसीसी को बार बार याद दिला रहे हैं कि प्रशंसकों और पत्रकारों को वीजा दिलाना उसका दायित्व है । हम आगे भी यह मसला उठाते रहेंगे । आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान का पहला मैच कवर करने के लिये भारतीय वीजा को लेकर अनिश्चितता की स्थिति देखकर निराशा हुई ।''

पाकिस्तानी पासपोर्ट धारक का वीजा आवेदन भारत में गृह, विदेश और खेल मंत्रालय से होकर गुजरता है।

ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो पर शुरू से ही 28% जीएसटी लागू: राजस्व सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने शनिवार को दोहराया कि ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो पर शुरू से ही 28 फीसदी जीएसटी लागू था। गौरतलब है कि दिल्ली और गोवा जैसे राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और कैसीनो पर पिछली तारीख से कर की मांग का मुद्दा उठाया है।

मल्होत्रा ने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, 'कुछ सदस्यों ने पिछली तारीख से कराधान का मुद्दा उठाया। उन्हें बताया गया कि यह पिछली तारीख से लागू नहीं किया गया है, बल्कि यह पहले से ही कानून में था। ये देनदारियां पहले से ही मौजूद थीं, क्योंकि ये आनलाइन गेम दांव लगाकर खेले जाते थे... दांव या जुए के चलते इन पर पहले से ही 28 प्रतिशत जीएसटी लग रहा था।'

52वीं जीएसटी परिषद की बैठक में दिल्ली और गोवा ने ई-गेमिंग कंपनियों और कैसिनो पर कर मांग का मुद्दा उठाया। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को पिछले छह वर्षों के लिए 28 प्रतिशत की उच्च दर पर कर नोटिस भेजे जा रहे हैं, जबकि 28% जीएसटी 1 अक्टूबर को लागू किया जाना था। आतिशी ने कहा, 'एक उद्योग जिसका राजस्व 23,000 करोड़ रुपये है, आप 1.5 लाख करोड़ रुपये का कर नोटिस दे रहे हैं... यह उद्योग को खत्म करना है। यह भारतीय स्टार्टअप परिवेश में असुरक्षित निवेश माहौल को दर्शाता है।' मल्होत्रा ने आगे कहा कि दिल्ली और गोवा जैसे कुछ राज्यों ने कथित कर चोरी के लिए जीएसटी नोटिस पाने वाली ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों का मुद्दा उठाया। छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री और जीएसटी परिषद के सदस्य टी एस सिंह देव ने कहा कि इन कंपनियों पर पिछली तारीख से लगने वाले शुल्क (कर मांग नोटिस) पर चर्चा हुई। चूंकि डीजीजीआई एक स्वतंत्र संस्था है, इसलिए इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। (जीएसटी परिषद की) चेयरपर्सन ने कहा कि यदि जरूरत हुई तो वह डीजीजीआई को स्पष्टीकरण उपलब्ध कराएंगी।

तमिलनाडु में जाति आधारित जनगणना की मांग ने पकड़ा जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सहयोगियों सहित तमिलनाडु के राजनीतिक दल सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य में जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। तमिलनाडु में दलित राजनीतिक दल और द्रमुक की सहयोगी विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने मांग की है कि राज्य सरकार जाति जनगणना पर काम शुरू करे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विभिन्न समुदायों के लिए आरक्षण की मात्रा उनकी आबादी के अनुपात में हो।

द्रमुक के एक अन्य घटक तमिझागा वाझवुरीमई काची (टीवीके) और शक्तिशाली वन्नियार समुदाय की राजनीतिक शाखा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के एक हिस्से पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने भी जाति जनगणना की मांग की है ताकि कोई भी समुदाय सामाजिक न्याय से वंचित न रह सके। वीसीके के संस्थापक नेता और संसद सदस्य थोल थिरुमावलवन ने भी कहा कि राज्यों को अपने क्षेत्र में आरक्षण का प्रतिशत तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस संबंध में संसद के अगले सत्र में कानून लाने का भी आह्वान किया।

पूर्व विधायक और अन्नाद्रमुक की पूर्व अंतरिम महासचिव वीके शशिकला के भतीजे टीटीवी दिनाकरण के नेतृत्व वाली अम्मा मुनेत्र मक्कल कणगम (एएमएमके) ने द्रमुक सरकार से 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान अपने वादे को याद रखने का आह्वान किया है और वह केंद्र से आग्रह करेगी पूरे देश में जाति जनगणना कराओ। टीटीवी दिनाकरन ने एक बयान में डीएमके सरकार से जाति जनगणना पर काम शुरू करने का आह्वान किया था और कहा था कि ऐसी जनगणना के बिना सामाजिक न्याय संभव नहीं है।

थोल थिरुमावलवन ने कहा कि केंद्र 2021 की जनगणना नहीं कर रहा है क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से जाति-आधारित जनगणना करने की मांग की गई थी।शक्तिशाली दलित नेता ने भाजपा और आरएसएस नेताओं पर केवल ऊंची जाति के लोगों के लिए चिंतित होने का आरोप लगाया और मांग की कि तमिलनाडु सरकार जाति जनगणना कराए। उन्होंने राज्य सरकार से एससी/एसटी कोटा 19 प्रतिशत से बढ़ाकर 21 प्रतिशत करने का भी आह्वान किया।

गौरतलब है कि तमिलनाडु वर्तमान में 69 प्रतिशत आरक्षण नीति का पालन करता है, जिसमें पिछड़े वर्गों को 30 प्रतिशत, अधिकांश पिछड़े वर्गों को 20 प्रतिशत और एससी/एसटी समुदायों को 19 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय कर दी है।विशेष रूप से, मुस्लिम समुदाय को पिछड़ा वर्ग के 30 प्रतिशत कोटा के तहत 3.5 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है।

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) ने भी 11 सितंबर को राज्य में जाति जनगणना के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव पेश करते हुए टीएनसीसी अध्यक्ष केएस अलागिरी ने कहा, कोटा के मुद्दे पर पूर्वाग्रह है। हालांकि, कोटा प्रणाली उन समुदायों के लिए समानता और प्रतिनिधित्व बनाने के लिए लागू की गई है, जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। यही बात महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर और थानथाई पेरियार ने कही थी। प्रत्येक समुदाय की जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जाति जनगणना का उपयोग किया जा सकता है। एआईसीसी ने भी इसका आह्वान किया है और हम तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से जाति-आधारित जनगणना करने का आग्रह करते हैं।टीएनसीसी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि सरकार के पास वर्तमान में जो डेटा है, उसके आधार पर आरक्षण पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि जाति-आधारित जनगणना यह सुनिश्चित करेगी कि डेटा सटीक हो और कुछ समुदायों के लिए कोटा बढ़ जाएगा।

दिलचस्प बात यह है कि भले ही शीर्ष द्रमुक नेतृत्व, दिवंगत मुख्यमंत्री एम करुणानिधि से लेकर उनके बेटे एमके स्टालिन तक, वंचित समुदायों को सटीक आरक्षण प्रदान करने के लिए तमिलनाडु में जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं, उनकी पार्टी अपने दृष्टिकोण में उदासीन रही है और राज्यव्यापी जाति जनगणना के लिए कोई पहल नहीं कर रही है। यह याद किया जा सकता है कि अन्नाद्रमुक ने जाति-वार मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए 7 दिसंबर, 2020 को न्यायमूर्ति कुलशेखरन आयोग की नियुक्ति की थी। यह तत्कालीन अन्नाद्रमुक सहयोगी पीएमके द्वारा वन्नियार समुदाय के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण की जोरदार मांग के बाद किया गया था।पीएमके का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए कुलशेखरन को आयोग का प्रमुख नियुक्त किया।

हालांकि, आयोग का कार्यकाल 20 जून, 2021 को समाप्त हो गया। पैनल ने एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को छह महीने के विस्तार के लिए अनुरोध भेजा था, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि डीएमके, जो एक जाति के लिए संघर्ष कर रही है आधारित जनगणना और इस मुद्दे के समर्थक की तरह काम करने के कारण आयोग को विस्तार नहीं मिला। कांग्रेस और शक्तिशाली वन्नियार राजनीतिक संगठन पीएमके सहित सहयोगियों द्वारा जाति जनगणना की मांग करने और एआईएडीएमके द्वारा भाजपा के साथ अपने संबंध तोड़ने के साथ, द्रमुक के कुछ सहयोगियों के कूदने की संभावना, द्रमुक को जाति आधारित जनगणना का आदेश देने के लिए मजबूर कर सकती है। कोयंबटूर स्थित सामाजिक वैज्ञानिक और सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ दलित राइट्स के निदेशक केयू मणिकंदन ने आईएएनएस को बताया, डीएमके भ्रमित है। पार्टी ने बार-बार जाति-आधारित जनगणना की मांग की है, लेकिन जब वह सत्ता में है तो वह इसके लिए कुछ नहीं कर रही है और दोष केंद्र सरकार पर डाल रही है। तमिलनाडु के दलित लोग सटीक स्थिति जानना चाहते हैं और जाति आधारित जनगणना की मांग करते हैं। तमिलनाडु की की प्रमुख दलित पार्टी वीसीके डीएमके गठबंधन के एक हिस्से के रूप में पहले ही इसकी मांग कर चुकी है। हम अपेक्षा करते हैं कि मुख्यमंत्री स्टालिन बिहार के मुख्यमंत्री की राह पर चलेंगे और जाति आधारित जनगणना कराएंगे।

भाजपा से अलग होने के बाद मुस्लिम, दलित राजनीतिक दलों से गठबंधन करेगी अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) सबसे प्रभावशाली दलित राजनीतिक पार्टी विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के अलावा तमिलनाडु के मुस्लिम राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। अन्नाद्रमुक नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने कहा कि पार्टी हमेशा अल्पसंख्यक अधिकारों की समर्थक रही है और ये कि अल्पसंख्यक समुदाय जो लंबे समय से जेलों में सजा काट रहा है, उनकी रिहाई के आदेश के लिए अपना समर्थन देगी।

अन्नाद्रमुक के सूत्रों ने बताया कि भाजपा के साथ गठबंधन टूटने से पार्टी के 2 करोड़ कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली है। पार्टी के पास अब उन पार्टियों के साथ गठबंधन के विकल्प होंगे जो द्रमुक से जुड़े हुए हैं। एआईएडीएमके महासचिव ईपीएस ने हाल ही में सांसद थोल थिरुमावलवन से बात की थी, जो दलित राजनीतिक दल, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के संस्थापक नेता हैं। एआईएडीएमके के सूत्रों के अनुसार, वीसीके वर्तमान में डीएमके मोर्चे पर मजबूती से टिकी हुई है, लेकिन एआईएडीएमके के पास भी जा सकती है। एआईएडीएमके इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिथानेया मक्कल काची (एमएमके) से भी समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है, जिनका मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के बीच अपना प्रभाव है। ईपीएस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पार्टी भाजपा से अलग हो गई है क्योंकि उसका कैडर ऐसा ही चाहता था। उन्होंने यह भी कहा है कि पार्टी एक अलग गठबंधन बनाएगी और 2024 के लोकसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करेगी।

त्रिची में नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में चार पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिची। यहां एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल मुक्कोम्बु में एक चलती गाड़ी के अंदर एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न करने और धमकी देने के आरोप में एक सब-इंस्पेक्टर सहित चार पुलिस कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस वालों ने उसके साथ मौजूद एक पुरुष मित्र को भी धमकाया। कथित घटना 4 अक्टूबर को हुई जब लड़की अपने 19 वर्षीय पुरुष मित्र के साथ घटनास्थल पर गई थी।

पुलिस के अनुसार, जीयापुरम पुलिस स्टेशन के एसआई बी शशिकुमार और उसी पुलिस स्टेशन के ट्रैफिक विंग में काम करने वाले ए सीतारथन, नवलपट्टू पुलिस स्टेशन से जुड़े एक कांस्टेबल जे प्रसाद और थिरुवेरुम्बुर राष्ट्रीय राजमार्ग गश्ती के एस शंकर राजपांडियन के साथ शाम को सिविल ड्रेस में एक गैर-पुलिस वाहन में मुक्कोम्बू गए थे। वे कथित तौर पर नशे की हालत में थे और मुक्कोम्बू बांध में मौजूद दो जोड़ों से पूछताछ करने लगे। हालाँकि, एक जोड़ा भाग गया।

इसके बाद चारों लोगों ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी और सवाल पूछने लगे कि क्या वे गांजा बेच रहे हैं। उन्होंने लड़के के साथ मारपीट भी की। शाम करीब 5 बजे, वे लड़की को अकेले वाहन में ले गए और करीब एक घंटे तक उसका यौन उत्पीड़न किया। रिपोर्टों में कहा गया है कि इस कृत्य की वीडियोग्राफी की गई और पुलिस ने दोनों के संपर्क विवरण प्राप्त किए।

पुलिस अधिकारियों ने घटना के बारे में किसी को बताने की हिम्मत करने पर गांजा तस्करी का आरोप लगाने की धमकी देने के बाद उन्हें जाने दिया। उन्होंने अपने माता-पिता को सूचित करने की धमकी भी दी। शिकायत के अनुसार, पुलिस ने कथित तौर पर उसे एसआई से मिलने के लिए भी कहा था, जब भी वह उसे फोन पर बुलाता है, और ऐसा करने में विफल रहने पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले दर्ज करने की धमकी दी थी। बाद में, दोनों मुक्कोम्बु चौकी पहुंचे और पुलिस कर्मियों को घटना की जानकारी दी।

पुलिस ने उस वाहन को देखा जिसमें चार पुलिसकर्मी यात्रा कर रहे थे और उन्हें पूछताछ के लिए रोका। एसआई शशिकुमार ने उन्हें बताया कि उन्होंने दंपति से गांजा बिक्री को लेकर पूछताछ की थी। जब लड़की और उसके दोस्त की उनसे बहस हुई तो उन्हें दोबारा धमकी दी गई, जिसके बाद वे वहां से चले गए।

हालाँकि, उन्होंने जीयापुरम ऑल वुमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक वरुणकुमार ने शिकायत के आधार पर चारों पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया।

शिक्षा ऋण वितरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर के चिनावेदापट्टी इलाके के कुमरगुरु कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के परिसर में प्रदेश के हाउसिंग मंत्री और कोयंबतूर प्रभारी मंत्री मुथुस्वामी ने जरूरतमंद होनहार विद्यार्थियों को शिक्षा लोन का वितरण किया गया इस मौके पर कोयम्बटूर जिला कलेक्टर क्रांति कुमार पट्टी, महापौर कल्पना अनंधकुमार, निगम आयुक्त एम प्रताप आदि उपस्थित रहे।

रावण वाले पोस्टर को लेकर सिद्दरामैया और शिवकुमार ने भाजपा पर निशाना साधा

बेंगलूरु। भाजपा के सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किए गए पोस्टर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नए युग के रावण बताने को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

सिद्दरामैया ने पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पोस्टर साझा किया, जिसपर लिखा है, वोटों की ताक में लगा रहने वाला वहीं प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार ने दावा किया कि राहुल गांधी के नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मन में बहुत बड़ा डर पैदा कर दिया है। सिद्दरामैया ने एक्स पर लिखा, 10 सिरों पर ध्यान लगाना बंद करें, एक करोड़ मौतों पर ध्यान लगाएं। शिवकुमार ने कहा, इंडिया (गठबंधन) मजबूत हो रहा है, यह एकजुट है और रहेगा। उनकी (राहुल गांधी की) भारत जोड़ो यात्रा के बाद इंडिया गठबंधन बना। इससे डरकर, उन्होंने (भाजपा ने) दस सिरों वाला रावण का पोस्टर साझा किया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, लोगों को यह समझना चाहिए कि भारत में रावण की पूजा की जाती है। राम और रावण के बीच युद्ध से पहले, रावण ने एक अनुष्ठान में राम की मदद की थी। अब उन सभी चीजों पर चर्चा न करें...उन्हें (भाजपा) जो करना है करने दें। इससे पता चलता है कि वे राहुल गांधी और उनके नेतृत्व से कितना डरते हैं।'

कांग्रेस ने एक्स' पर नरेन्द्र मोदी की तस्वीर साझा करते हुए उसके साथ सबसे बड़ा झूठा लिखा था। इसपर पलटवार करते हुए भाजपा ने राहुल की कई सिरों वाली तस्वीर एक्स' पर साझा करते हुए लिखा था, भारत खतरे में है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि भाजपा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को रावण के रूप में पेश किया है क्योंकि वह उनकी लोकप्रियता और नेतृत्व कौशल से डरती है। यहां विधान सौधा के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भगवा खेमे ने रावण की पूरी कहानी जाने बिना ही यह किया है। उन्होंने कहा, यहां तक कि उत्तर भारत में भी रावण की पूजा की जाती है। अगर भाजपा को हमारी संस्कृति का पता होता तो वह इतना नीचे नहीं गिरती। भारत जोड़ो यात्रा के बाद भारतीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ने आकार लिया। 'इंडिया' गठबंधन मजबूती से आकार ले रहा है और भारत एकजुट हो रहा है और इसकी रक्षा की जायेगी।

दसोहा संस्कृति के अनुयायी सिद्दरामैया सभी के लिए मुख्यमंत्री हैं : मंत्री एचसी महादेवप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया बसव तत्व के सच्चे अनुयायी हैं जो सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं' वन और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने मुख्यमंत्री की सराहना की। उन्होंने मैसूर कलामंदिर में अखिल भारत वीरशैव लिंगायत महासभा, वीरशैव-लिंगायत संघ और फेडरेशन ऑफ मैसूर बसवा बलागा द्वारा आयोजित बसव जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

लिंगायत वीरशैव मठों ने सभी जातियों और धर्मों के समुदायों को अक्षरा और अन्ना दसोहा प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया द्वारा लागू किए गए कार्यक्रम सभी जातियों और धर्मों पर भी लागू होते हैं जो शरणों की आकांक्षा के अनुरूप हैं। समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शरण संस्कृति को अपने जीवन का अनुष्ठान बना लिया है। यही वजह है कि उन्होंने बसव जयंती के दिन मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि शरण संस्कृति के अनुयायी होने के नाते सिद्दरामैया ने मुख्यमंत्री बनते ही अन्न भाग्य योजना के आदेश जारी किये। उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों में बसवन्ना की तस्वीर अनिवार्य कर दी। इस तरह, वचन क्रांति और शरण संस्कृति के मूल्य मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के जीवन और प्रथाओं का हिस्सा हैं। कार्यक्रम परम पूज्य जगद्गुरु श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र महास्वामीजी की दिव्य उपस्थिति में आयोजित किया गया था। समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा ने '12ने शतमनदा शरण दंपतिगालु'' पुस्तक का विमोचन किया।

क्रू एस्केप सिस्टम का प्रदर्शन करने के लिए उड़ान परीक्षण की तैयारी कर रहा इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के हिस्से के रूप में क्रू एस्केप सिस्टम को प्रदर्शित करने के लिए पहले उड़ान परीक्षण वाहन एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) की तैयारी कर रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वह गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान परीक्षण शुरू करेगी। इसरो ने कहा, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) की तैयारी चल रही है, जो क्रू एस्केप सिस्टम के प्रदर्शन को प्रदर्शित करता है। पहला विकास उड़ान परीक्षण वाहन (टीवी-डी1) तैयारी के अंतिम चरण में है। परीक्षण वाहन एक एकल-चरण लिक्विड रॉकेट है जिसे इस निरस्त मिशन के लिए विकसित किया गया है।

इसरो ने कहा, 'पेलोड में क्रू मॉड्यूल (सीएम) और क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) के साथ उनके तेजी से काम करने वाले ठोस मोटर, सीएम फेयरिंग (सीएमएफ) और इंटरफेस एडेप्टर शामिल हैं।' यह उड़ान गगनयान मिशन में आई 1.2 की मैक संख्या के अनुरूप आरोहण प्रक्षेपवक्र के दौरान निरस्त स्थिति का अनुकरण करेगी। इसरो ने कहा कि क्रू मॉड्यूल के साथ क्रू एस्केप सिस्टम को लगभग 17 किमी की ऊंचाई पर परीक्षण वाहन से अलग किया जाएगा। इसरो ने कहा, 'सीईएस (क्रू एस्केप सिस्टम) को अलग करने और पैराशूट की सीरीज की तैनाती के साथ शुरू होने वाले गर्भपात अनुक्रम को स्वायत्त रूप से निष्पादित किया जाएगा, जो अंततः श्रीहरिकोटा के तट से लगभग 10 किमी दूर समुद्र में सीएम (क्रू मॉड्यूल) की सुरक्षित लैंडिंग में समाप्त होगा।'

गगनयान मिशन के दौरान क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष यात्रियों को दबावयुक्त पृथ्वी जैसी वायुमंडलीय स्थिति में रखेगा। यह विकास के विभिन्न चरणों में है। टीवी-डी1 के लिए, क्रू मॉड्यूल एक बिना दबाव वाला वर्जन है जिसने अपना एकीकरण और परीक्षण पूरा कर लिया है और लॉन्च कॉम्प्लेक्स में भेजे जाने के लिए तैयार है। इस बिना दबाव वाले क्रू मॉड्यूल वर्जन में वास्तविक गगनयान क्रू मॉड्यूल का समग्र आकार और द्रव्यमान होना चाहिए और इसमें मंदी और पुनर्प्राप्ति के लिए सभी सिस्टम शामिल होंगे। क्रू मॉड्यूल में एवियोनिक्स सिस्टम नेविगेशन, सीक्रेंसिंग, टेलीमेट्री, इंस्ट्रूमेंटेशन और पावर के लिए दोहरे निरर्थक मोड कॉन्फ़िगरेशन में हैं। इसरो के अनुसार, इस मिशन में क्रू मॉड्यूल को विभिन्न प्रणालियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए उड़ान डेटा को कैप्चर करने के लिए बड़े पैमाने पर उपकरण दिया है। भारतीय नौसेना के एक समर्पित जहाज और गोताखोरी टीम का उपयोग करके, बंगाल की खाड़ी में उतरने के बाद इसे बरामद किया जाएगा।

आस्ट्रेलियाई चुनौती का सामना करने के लिये तैयार है आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एशियाई खेलों में सौ पदक जीतने के जश्न में डूबे भारतीय खेलप्रेमियों की नजरें अब अपने सबसे चहेते खेल क्रिकेट के महासमर पर टिकी होंगी जिसमें रोहित शर्मा की अगुवाई में आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। पैट कमिंस की अगुवाई वाली आस्ट्रेलियाई टीम को हराना आसान नहीं है। चेपॉक पर दोनों टीमों के बीच यादगार मुकाबले खेले गए हैं चाहे वह 1986 में टाई रहा टेस्ट हो या 2001 की टेस्ट श्रृंखला का निर्णायक मैच या रिलायंस कप का करीबी मुकाबला।

भारत की बल्लेबाजी जहां विश्व स्तरीय है तो आस्ट्रेलिया का तेज आक्रमण भी कुछ कम नहीं। चेन्नई की भीषण गर्मी उनके लिये हालांकि बड़ी चुनौती साबित होगी। भारत के पास ऐसा कप्तान है जो 19 नवंबर को कप थामकर भारतीय क्रिकेट के इतिहास का नया अध्याय लिखना चाहेगा। वहीं इस पीढी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज 35 वर्ष के विराट कोहली को सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने के लिये तीन वनडे शतक और बनाने हैं।

बारह साल पहले तेंदुलकर को कंधे पर उठाने वाले कोहली आज उसी मुकाम पर खड़े हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कोहली विश्व कप जीत चुके हैं। रोहित भी 2007 टी20 विश्व कप और रविचंद्रन अश्विन 2011 विश्व कप जीत चुके हैं। लेकिन इन टूर्नामिंटों में जीत के सूत्रधार दूसरे दिग्गज थे और ये खिलाड़ी सहयोगी भूमिका में थे। यह अब उनका विश्व कप है। रोहित, कोहली और अश्विन अपनी विरासत छोड़ जाना चाहते हैं। 34 वर्ष के रविंद्र जडेजा या 33 वर्ष के मोहम्मद शमी भी पीछे नहीं हैं। जसप्रीत बुमराह के लिये भी यह अभी या कभी नहीं ' वाला मामला है।

इनमें से अधिकांश चार साल बाद विश्व कप में नहीं दिखेंगे और अपनी फिटनेस के दम पर कोहली अगर खेल भी पाते हैं तो यह कोई नहीं जानता कि यह प्रारूप प्रासंगिक और आकर्षक रहेगा या नहीं। भारतीय टीम विश्व कप जीतती है तो यह वनडे क्रिकेट के लिये संजीवनी का भी काम करेगा। रोहित को बतौर बल्लेबाज अपनी आक्रामकता बरकरार रखनी होगी। इसके अलावा यह तय करना होगा कि तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में अश्विन को कब उतारना है और किन मैदानों पर 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव उपयोगी होगे।

उन्हें शार्दुल ठाकुर की हौसलाअफजाई करनी होगी जब वह महंगे साबित हो रहे होंगे। या फिर ईशान किशन को बताना होगा कि मिचेल स्टार्क जैसे गेंदबाजों से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। चेपॉक की विकेट पर बीच के ओवरों में भारतीय स्पिनरों का प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है। चेपॉक पर भारत ने 14 वनडे में से सात जीते हैं और छह हारे हैं जबकि एक मैच रद्द हो गया था। आस्ट्रेलिया ने यहां छह में से पांच वनडे जीते हैं।

चेपॉक में भारतीय स्पिनरों से निपटना सबसे बड़ी चुनौती : कमिंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि रविवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच में चेपॉक की धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाने वाली पिच पर भारतीय स्पिनरों से निपटना उनकी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

भारत इस मैच में अपने तीनों स्पिनर कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ उतर सकता है। कमिंस ने शनिवार को यहां मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, उनके पास बहुत अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है विशेष कर घरेलू परिस्थितियों में उनके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसलिए हमारे लिए यह एक चुनौती होगी। हालांकि कमिंस को उम्मीद है कि भारत के स्पिनरों के खिलाफ खेलने का पिछला अनुभव उनके लिए फायदेमंद होगा।

उन्होंने कहा,अच्छी बात यह है कि हमने उनका कई बार सामना किया है। इसलिए हमारे बल्लेबाजों की उनके खिलाफ खेलने के लिए अपनी रणनीति होगी। हमें कुछ अवसरों पर उनके खिलाफ सफलता मिली है जबकि कुछ अवसरों पर उन्होंने हमारे खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की है। कमिंस को इसके साथ ही उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के कुछ खिलाड़ियों का आईपीएल में खेलने का अनुभव ही टीम के काम आएगा। उन्होंने कहा,हम इस मैदान पर अक्सर खेलते रहे हैं। अक्सर देखा गया है कि जब भी हम भारत का दौरा करते रहे हैं यहां जरूर मैच होता है। हमारे कुछ खिलाड़ी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते रहे हैं इसलिए इससे हमें मदद मिल सकती है। डेविड वार्नर ने अश्विन से निपटने के लिए हाल में इंदौर में खेले गए दूसरे वनडे में दाएं हाथ से बल्लेबाजी की थी और कमिंस ने रविवार को होने वाले मैच में इस तरह की किसी संभावना से इनकार भी नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे की डेवी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करेंगे या दाएं हाथ से। वैसे वह बाएं हाथ से अच्छी बल्लेबाजी करते हैं लेकिन उनकी रणनीति क्या होगी इसके लिए हमें इंतजार करना होगा।' कमिंस ने इसके साथ ही कहा कि टीम प्रबंधन ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस की फिटनेस पर करीबी नजर रखे हुए है जो हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम कल टॉस के समय अपनी टीम की घोषणा करेंगे। स्टोइनिस के अभी खेलने की संभावना है। हम कल तक उनकी फिटनेस पर गौर करेंगे।'

सरकार की नीतियों से राजस्थान में निवेश अनुकूल माहौल बना : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार की नीतियों व फैसलों से राज्य में निवेश अनुकूल माहौल बना है और 'इन्वेस्ट राजस्थान' के 55 प्रतिशत समझौते (एमओयू) साकार हुए हैं। यहां एक कार्यक्रम में गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने 'सेवा ही कर्म-सेवा ही धर्म के ध्येय' को अपनाते हुए हर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार की नीतियों और फैसलों से राजस्थान में निवेश अनुकूल माहौल बना जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने सबसे ज्यादा निवेश किया है।

उन्होंने कहा कि 'इन्वेस्ट राजस्थान' में हुए लगभग 11 लाख करोड़ रुपये के समझौतों (एमओयू व एलओआई) में से करीब 55 प्रतिशत धरातल पर आगे बढ़े हैं। यह राज्य के उज्ज्वल भविष्य के शुभ संकेत है। गहलोत ने जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) के कार्यक्रम में कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना के विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान देश का 'मॉडल स्टेट' (आदर्श राज्य)बन गया है। उन्होंने कहा कि इसी आधार पर 11.04 प्रतिशत विकास दर के साथ राजस्थान उत्तर भारत में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर रहा। यही हमारी सोच और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) नीति के तहत दी गई रियायतों से 16,000 से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं। पांच साल तक किसी भी सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होने के प्रावधान से छोटी-छोटी इकाइयां बढ़ी हैं। गहलोत ने कहा कि हमारे प्रयासों का ही नतीजा रहा है कि पांच साल राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) छह लाख करोड़ रुपये बढ़ी है। यह इस वित्तीय वर्ष तक 15 लाख करोड़ रुपये की हो जाएगी। वर्ष 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

गहलोत ने आठ बोर्ड के गठन को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आठ बोर्ड के गठन को मंजूरी दी है। एक सरकारी बयान के अनुसार, नवगठित बोर्ड में राजस्थान राज्य राजा बली कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य वाल्मिकी कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य मेघवाल कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य पुजारी कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य केवट कल्याण (मां पूरी बाई कीर) बोर्ड, राजस्थान राज्य जाटव कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य धाणका कल्याण बोर्ड और राजस्थान राज्य चित्रगुप्त कायस्थ कल्याण बोर्ड शामिल हैं।

बयान के मुताबिक, सभी बोर्ड संबंधित वर्गों की स्थिति का जायजा लेने, प्रमाणिक सर्वे रिपोर्ट के आधार पर वर्गों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और इनके पिछड़ेपन को दूर करने के सुझाव राज्य सरकार को देंगे। बयान में कहा गया है कि ये बोर्ड संबंधित वर्ग के कल्याण के वास्ते विभिन्न योजनाएं प्रस्तावित करने, उनके लिए वर्तमान में संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विभिन्न विभागों से समन्वय करने, परंपरागत व्यवसाय को वर्तमान तौर-तरीकों से आगे बढ़ाने, रोजगार को बढ़ावा देने तथा शैक्षिक एवं आर्थिक उन्नयन के संबंध में सुझाव दिए जाएंगे। बयान के मुताबिक, ये बोर्ड सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों के खिलाफ ठोस उपाय करने सहित अन्य सुझाव भी राज्य सरकार को देंगे। सभी बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं तीन सदस्य सहित पांच-पांच गैर-सरकारी सदस्य होंगे। राज्य के विभिन्न विभागों के शासन सचिव, आयुक्त, निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं उप निदेशक स्तर के अधिकारी इनके सरकारी सदस्य होंगे।

तीन सौ साल पुराने शिव मंदिर को लेकर उपजा विवाद, पुलिस और संत की नोक-झोंक के बाद दर्ज हुई एफआईआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। छोटी काशी के नाम से विख्यात गुलाबी नगरी जयपुर में प्राचीन काल के अनगिनत मंदिर हैं। लेकिन रामगंज के चौकड़ी तोप खाना स्थित शिव मंदिर जो कि पिछले लंबे समय से बंद है, अब अचानक ही विवाद में आ गया है। खासकर जब से संत बाल मुकुंद आचार्य ने अपने समर्थकों के साथ इस मंदिर का दौरा किया।

दरअसल, जयपुर में राज्य सरकार द्वारा जब से एक मुस्लिम लड़के की हत्या के बाद तुरंत ही 50 लाख का मुआवजा दिया गया। साथ ही परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी देने की बात कही गई। उसके बाद हिंदू समुदाय ने इसका विरोध शुरू किया और जयपुर स्थित बड़ी चोपड पर हिंदू संगठन द्वारा एक विशाल प्रदर्शन कर सामूहिक हनुमान चालीसा का भी पाठ किया गया। उसी समय संत बाल मुकुंद आचार्य को इस मंदिर की जानकारी मिली। जानकारी के मुताबिक, संत अपने समर्थकों के साथ मंदिर पहुंचे और वहां मंदिर में हुई टूट-फूट को लेकर नाराजगी जाहिर की। चूंकि यह मंदिर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में स्थित है। लगभग सभी हिंदू परिवार इस क्षेत्र से पलायन कर चुके हैं। इसलिए यह मंदिर लंबे समय से बंद है। उसके बाद से कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा इस मंदिर को अपनी मौज-मस्ती का अड्डा बना लिया गया।

संत बाल मुकुंद आचार्य का कहना है कि मंदिर में हड्डियों के टुकड़े, शराब की बोतलें और कूड़े का ढेर मिला है। उन्होंने कहा कि मंदिर में स्थापित विग्रह को भी जानबूझकर कर नुकसान पहुंचाया गया है। संत बाल मुकुंद आचार्य ने इसकी शिकायत रामगंज थाना प्रभारी से भी की। जहां संत और उनके समर्थकों और थाना प्रभारी के बीच कहासुनी तक हुई, जिसका वीडियो भी वायरल किया गया। अंततः पुलिस द्वारा संत की शिकायत दर्ज की गई। अगले दिन यानी शुक्रवार को संत बाल मुकुंद आचार्य ने मंदिर स्थल पर ही प्रेसवार्ता का आयोजन कर प्रशासन में खलबली मचा दी। पुलिस संत की खोज में लग गई और दोपहर तक सूचना आई कि संत को गिरफ्तार किया जा सकता है। लेकिन पुलिस के आग्रह पर संत ने शांतिपूर्ण तरीके से मंदिर स्थान पर मीडिया से बातचीत की और मंदिर के हालात से प्रेस को अवगत कराया। पुलिस ने भी अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आशंका जताई जा रही है कि मंदिर का विवाद आसानी से निपटने वाला नहीं है, क्योंकि मंदिर के चारों ओर मुस्लिम आबादी है जो पिछले कई दशकों से वहां रह रही है। मंदिर के पास ही एक मीट की दुकान भी है जो कई सालों से चल रही है।

मंदिर की सेवा के लिए कोई भी वहां रुकने को तैयार नहीं है और रोज वहां जाने को भी तैयार नहीं है। ऐसी परिस्थिति में मंदिर को लेकर उपजे विवाद को लेकर राजधानी जयपुर की शांति व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए पुलिस-प्रशासन को और मुस्तैद होने की जरूरत है।

हमारी सरकार के बड़े फैसले केंद्र में कब लागू होंगे, बताएं मोदी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा और शहरी रोजगार योजना जैसे कई बड़े फैसले किए हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि इन्हें केंद्र सरकार अपने यहां कब लागू करेगी। गहलोत ने दोहराया कि उनकी सरकार बिहार की तर्ज पर राजस्थान में भी जातिगत सर्वेक्षण करवाएगी और यह भी एक बड़ा फैसला है। मोदी ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ में एक जनसभा में कहा था कि राज्य में सत्ता में आने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जनहित की किसी योजना को बंद नहीं करेगी और यह मोदी की गारंटी है।

इस बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने जयपुर में मीडिया से कहा, इसका मतलब है कि उन्होंने मान लिया है कि हमारी योजनाएं शानदार हैं। वह चिंता नहीं करें, हमने योजनाएं अच्छे ढंग से लागू की हैं... वह तो यह बताएं कि केंद्र में 25 लाख रुपये के बीमा की घोषणा कब करेंगे? बताएं ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) लागू कब करेंगे? बताएं शहरी रोजगार योजना कब शुरू करेंगे?

मुख्यमंत्री ने कहा, ...हमने बड़े-बड़े फैसले किए हैं, इन्हें फैसले केंद्र कब लागू करेगा?प्रधानमंत्री मोदी को यहां आकर बताना चाहिए। पहले लागू करें, फिर यहां आकर प्रचार करें। तब लोग आपकी बात पर विश्वास करेंगे। राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। गहलोत ने दावा किया कि भाजपा नेताओं को कांग्रेस सरकार के फैसलों की आलोचना करने के लिए शब्द नहीं मिल रहे हैं, इसलिए 'वे कभी लाल डायरी, कभी पीली डायरी तो कभी काली डायरी की बात करते हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा के स्थानीय नेता अपने प्रधानमंत्री और केंद्रीय नेताओं को कोई मुद्दा तक नहीं बता पा रहे हैं।

गहलोत ने दोहराया कि राज्य सरकार बिहार के मॉडल को अपनाते हुए राज्य में जातिगत सर्वेक्षण करवाएगी और यह भी एक बड़ा फैसला है। उन्होंने कहा, जनगणना तो भारत सरकार ही करवा सकती है, यह केवल परिवारों का सर्वे हो रहा है, जिसमें उनकी आर्थिक स्थिति भी पता चल जाएगी। मैं समझता हूं कि बहुत बड़ा निर्णय हुआ है। हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता है, हम इसे आगे बढ़ाएंगे।

आगामी चुनाव में अन्य दलों से गठबंधन पर गहलोत ने कहा कि यह पार्टी का अंदरूनी मामला है। गहलोत ने दावा किया, हमारी सरकार ने क्रांतिकारी फैसले किए हैं। राजस्थान का हर गांव, हर घर को हमारी किसी न किसी योजना का फायदा मिला है। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में गहलोत ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं, तो वह माफी मांग लेंगे। उन्होंने कहा कि संजीवनी घोटाले में डेढ़ लाख लोग बर्बाद हो गए, इसलिए शेखावत को माफी तो मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं तो एक बार नहीं, 25 बार माफी मांग सकता हूं, अगर शेखावत आगे आकर इन सबकी मदद करें, पैसे दिलवा दें... मैं उनसे माफी मांग लूंगा, अगर मैंने कुछ गलत कहा है तो। गहलोत ने कहा कि उन्होंने इस मामले में वही कहा था, जो उन्हें जांच एजेंसी ने रिकॉर्ड के हिसाब से बताया था। गहलोत जोधपुर से सांसद शेखावत पर इस घोटाले में शामिल होने का आरोप बार-बार लगाते रहे हैं। शेखावत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए गहलोत के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

बिहार की तरह जाति आधारित गणना करायेगी : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिहार की तरह राजस्थान में भी जाति आधारित गणना करवाने की घोषणा की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वार रूम में शुक्रवार को कांग्रेस की कोर कमेटी की बैठक में जाति आधारित गणना, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यात्रा सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और अन्य नेता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से मिला चारण समाज का प्रतिनिधिमंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शनिवार को चारण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। आयुदान सिंह कविया के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने करणी चारण एवं डिंगल साहित्य शोध, संरक्षण एवं विकास बोर्ड के गठन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर करणी मंदिर प्रन्यास देशनोक से बादलदान एवं मोहनदान, मढखुडद इन्द्र बाईसा धाम से भैंरूदान, करणी इन्द्र सेवा समिति से अम्बादान, सायर मां धाम से राजवीर सिंह हापावत, प्रान्तीय चारण महासभा जयपुर से सज्जन सिंह, रूपसिंह बारहठ, मदन सिंह चारण सहित प्रदेशभर से आए चारण समाज के लोग उपस्थित रहे।

भाजपा के बैनर में प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी की जगह कांग्रेस विधायक सी पी जोशी की तस्वीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सिरोही जिले की रेवदर विधानसभा सीट से टिकट मांग रहे एक भाजपा उम्मीदवार को उस समय शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब उनके बैनर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी की जगह विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी की तस्वीर लगी हुई थी।

पार्टी के बूथ स्तर के अभियान के तहत बैनर एक ऑटोरिक्शा पर प्रदर्शित किया गया था ।

उसने लोगों का ध्यान खींचा जिसके बाद बैनर हटा दिया गया। उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सी पी जोशी की तस्वीरें थीं।

भाजपा के सी पी जोशी चित्तौड़गढ़ से भाजपा के सांसद हैं जबकि कांग्रेस के सी पी जोशी नाथद्वारा से विधायक हैं और विधानसभा अध्यक्ष हैं। बैनर छपवाने वाले रमेश कुमार कोली ने बताया, 'मैंने एक प्रिंटिंग प्रेस से 'जन-संपर्क अभियान' के लिए बैनर छपवाए थे, लेकिन गलती से भाजपा के सी पी जोशी की जगह कांग्रेस के सी पी जोशी की तस्वीर छप गई। मैं दो दिन से यहां नहीं था. ऐसे दो बैनर आज ऑटोरिक्शा पर प्रदर्शित किए गए। कोली ने बताया कि वह सिरोही की रेवदर सीट से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट मांग रहे हैं। इस सीट से भाजपा के जगसी राम मौजूदा विधायक हैं।

कोली ने कहा, 'जब मुझे इस बारे में पता चला तो मैंने उन्हें हटवा दिया।' स्थानीय कांग्रेस नेता भवानी सिंह भटाना ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के सी पी जोशी अपने क्षेत्र से बाहर अपनी पहचान नहीं बना पाए हैं और राज्य में पार्टी के सभी कार्यकर्ता उन्हें नहीं जानते हैं।

उन्होंने कहाउनका प्रदेश अध्यक्ष अपने क्षेत्र तक ही सीमित है। राज्य में कई पार्टी कार्यकर्ता उन्हें नहीं पहचानते।' दो बार के भाजपा सांसद सी पी जोशी को इस साल मार्च में सतीश पूनिया के स्थान पर पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

मंत्री जाहिदा खान की रैली में चले लात घूंसे

डीग। डीग जिले के कामां विधानसभा में शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान ने एक जनसंपर्क रैली निकाली, इस दौरान दो युवक मंत्री जाहिदा खान का विरोध कर रहे थे। तभी मंत्री जाहिदा खान के समर्थकों ने दोनों युवकों से मारपीट कर डाली। रैली में पुलिसकर्मी मौजूद थे। वह बीच बचाव करते हुए नजर आए। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। कुछ पार्टियों ने अपने कैंडिडेट फाइनल कर दिए हैं। वहीं कुछ पार्टियों का अभी टिकट फाइनल करना बाकी है। ऐसे में सभी टिकट मिलने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार अपने-अपने इलाकों में जनसंपर्क और जनसभा कर रहे हैं। कल देर शाम मंत्री जाहिदा खान ने भी अमरूका चौराहे से एक वाहन रैली निकाली जो कि, कैथवाड़ा होते हुए झेंझपुरी पहुंची। जगह-जगह लोगों ने मंत्री जाहिदा खान का फूलों से स्वागत किया।

सड़क किनारे एक व्यापारी ने पेट्रोल डालकर खुद को लगाई आग

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर शहर के गंगाशहर थाना इलाके में एक व्यापारी के जिंदा जलने की घटना से सनसनी फैल गई है। घटना का दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, गंगाशहर के कुम्हारों के मोहल्ला निवासी सत्यनारायण सोनी मोहता सराय की खानों के पास शाम को जली हुई हालात में पाया गया। राहगीरों की मदद से सत्यनारायण को पीबीएम अस्पताल ले जाया गया।

जानकारी के मुताबिक, सत्यनारायण सोनी अपनी दुकान से ग्यारह लाख पचास रुपये नकदी और कुछ सोने का सामान लेकर किसी को देने के लिए निकले थे। लेकिन मोहता सराय के पास मोटरसाइकिल को किनारे पार्क कर अपने ऊपर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। आसपास से गुजर रहे लोग अचानक हुए इस घटनाक्रम को देखकर हतप्रभ रह गए।

स्वागत

जोधपुर में शनिवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अभिनंदन करते केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत।

सिक्किम के लाचेन, लाचुंग में तीन हजार पर्यटक फंसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम में अचानक आई बाढ़ और सड़क संपर्क कट जाने के कारण मंगन जिले के लाचेन और लाचुंग में 3,000 से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं और सभी सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर के जरिये बचाव और राहत अभियान चलाने के कई प्रयास किए, लेकिन खराब मौसम, निचले इलाकों में बादल छाए रहने और लाचेन तथा लाचुंग में कम दृश्यता की स्थिति के कारण बागडोगरा के साथ-साथ चाटेन से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सके। अधिकारियों ने बताया कि लाचेन और लाचुंग की सड़कें क्षतिग्रस्त हैं।

उन्होंने बताया कि बचाव दल को आगे बढ़ने के लिए जोंगू के माध्यम से चुंगथांग तक एक वैकल्पिक मार्ग खोलने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि तीस्ता ऊर्जा ने पर्यटकों के बचाव और चुंगथांग क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए एक हेलीकॉप्टर भी प्रदान किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इलाके में पहुंची भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की टीम फिलहाल चुंगथांग में राहत और बचाव का काम कर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगन जिले के संबंध में मौसम पूर्वानुमान में कहा कि अगले पांच दिन में जिले के ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने अगले पांच दिन तक लाचेन और लाचुंग में आमतौर पर बादल छाये रहने का भी अनुमान जताया है।

सिक्किम में बाढ़ में मरने वालों की संख्या 27 हुई, 141 लोग अब भी लापता

गंगटोक/जलपाईगुड़ी/भाषा। सिक्किम में बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 27 हो गई। इस बीच, लापता 141 लोगों की तलाश का काम जारी है। भू राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव एवं राज्य राहत आयुक्त की ओर से शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार बुधवार तड़के बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में आठ सैनिकों सहित 27 लोगों की मौत हो चुकी है और 25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा बाढ़ से 1,200 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 13 पुल बह गए हैं। इस बीच, एक और सैनिक का शव पश्चिम बंगाल से शनिवार को बरामद हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि 27 लोगों में से चार की मंगन जिले में, छह की गंगटोक जिले में और नौ लोगों की मौत पाकयोंग में हुई। त्रासदी में आठ सैनिक भी मारे गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक विभिन्न इलाकों से 2,413 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं 6,875 लोगों ने राज्य भर में बनाए गए 22 राहत शिविरों में आश्रय ले रखा है।

स्वामीनाथन ने वैज्ञानिक ज्ञान और उसके व्यावहारिक कार्यान्वयन के बीच के अंतर को कम किया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

FILE PHOTO

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरित क्रांति के जनक एम एस स्वामीनाथन को सच्चा 'किसान वैज्ञानिक'' करार दिया। स्वामीनाथन का हाल में निधन हुआ है। प्रधानमंत्री ने स्वामीनाथन को यह दर्जा उनके कार्यों का प्रयोगशालाओं के बाहर खेतों में दिखाई दिए असर के कारण दिया। मोदी ने महान वैज्ञानिक को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा स्वामीनाथन ने वैज्ञानिक ज्ञान और उसे व्यावहारिक तौर पर लागू करने के बीच के अंतर को कम किया।

मोदी ने कहा, ''बहुत से लोग उन्हें ''कृषि वैज्ञानिक'' कहते थे, लेकिन मेरा हमेशा से यह मानना था कि वह इससे कहीं अधिक थे। वह सच्चे 'कृषि वैज्ञानिक' थे। उनके दिल में किसान बसता था।'' उन्होंने स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रसिद्ध तमिल पुस्तक 'कुराल' का जिक्र करते हुए कहा, ''उसमें (पुस्तक में) लिखा है 'जिन लोगों ने योजना बनाई है, यदि उनमें प्रतिबद्धता है, तो वे उस चीज को हासिल कर लेंगे, जिसका उन्होंने लक्ष्य निर्धारित किया है।' यहां एक ऐसा व्यक्ति है, जिसने अपने जीवन में ही तय कर लिया था कि वह कृषि क्षेत्र को मजबूत करना चाहता है और किसानों की सेवा करना चाहता है।'' मोदी ने कहा कि किताब में किसानों को दुनिया को एक सूत्र में बांधने वाली धुरी के रूप में वर्णित किया गया है, क्योंकि किसान ही हैं, जो सभी की जरूरतों को पूरा करते हैं और स्वामीनाथन इस सिद्धांत को बहुत अच्छी तरह से समझते थे।

तीस्ता नदी में बाढ़ : रेलवे निर्माण स्थल पर मौजूद 150 मजदूर बाल-बाल बचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सिक्किम-पश्चिम बंगाल सीमा के पास रेल सुरंग निर्मित करने के कार्य में जुटे करीब 150 मजदूर तीस्ता नदी में बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ में बाल-बाल बच गए क्योंकि बाढ़ का पानी प्रवेश करने और उनका शिविर एवं सामान बहा ले जाने से कुछ मिनट पहले उन्हें वहां से निकाल लिया गया था। ये लोग जिस निजी कंपनी के लिए काम कर रहे थे, उसके अधिकारी बाढ़ आने की सूचना मिलते ही समय रहते वाहनों के साथ उनकी कॉलोनी में पहुंचे और सो रहे मजदूरों को वहां से निकाला, जिनकी मौत लगभग तय थी।

पश्चिम बंगाल के कलिमपोंग जिले के राम्बी बाजार से करीब दो किलोमीटर दूर 'जीरो मील' के नजदीक स्थित शिविर को तीस्ता नदी ने पूरी तरह से तबाह कर दिया है, और पूरे इलाके में कई फुट कीचड़ जमा हो गया है। सो रहे मजदूरों को फोन कर जगाते हुए अधिकारियों ने उनसे जल्द से जल्द अपना सामान समेटने और आवश्यक सामान के साथ नदी तट पर स्थित शिविर को खाली करने का आदेश दिया। अंततः, उन्हें लाने के लिए भेजे गए एक सुरक्षा गार्ड की मदद से मजदूर समय की कमी को ध्यान में रखते हुए एक दूसरे रास्ते से शिविर से निकले। वे लगभग 20 मिनट पैदल चलने के बाद वाहन परिचालन योग्य निकटतम सड़क तक पहुंचे। सड़क पर सुरक्षित पहुंचने पर जब मजदूरों ने पीछे मुड़कर शिविर की ओर देखा तो उन्हें अपना शिविर डूबता हुआ दिखा। सब कुछ जलमग्न हो गया था। मजदूर प्रकृति के विनाश और जीवित बचने की राहत के मिश्रित भाव से रो पड़े।

वहां काम करने वाले शिबयेंदु दास (32) ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, '' जब हमने अपने शिविर को जलमग्न होते देखा, तो हमारा दिल रो पड़ा। यह विश्वास करना मुश्किल था कि महज 15-20 मिनट पहले हम उसी स्थान पर सो रहे थे। ईश्वर की कृपा से हम सबकी जान बच गई।''

दास उन 150 मजदूरों में हैं, जिन्हें बचाया गया है। बचाये गए मजदूर असम, बिहार, पंजाब और पश्चिम बंगाल के निवासी हैं और भारतीय रेलवे के सेवोके-रंगपो परियोजना के तहत पांच सुरंगों का निर्माण कार्य कर रहे थे। यह रेलवे लाइन सिक्किम को पूरे देश से रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। पश्चिम बंगाल में 24 परगना जिले के बशीरहाट इलाके के रहने वाले मजदूर ने बताया, ''हमने अपना भोजन, उपकरण, गैस सिलेंडर, निजी सामान - सब कुछ खो दिया। हम अपने साथ केवल पैसे, महत्वपूर्ण कागजात और कुछ कपड़े लाने में ही कामयाब रहे। मैं उस स्थान पर करीब दो साल से काम कर रहा था, लेकिन कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा।'' सुरक्षा गार्ड एकमात्र व्यक्ति था जो उन्हें बचाने के लिए तीन अक्टूबर को तड़के शिविर आया था।

दास के परिवार में उनकी पत्नी और बेटी है। दास ने कहा, ''हमारे आश्चर्य की तब सीमा नहीं जब हमने देखा कि सड़क पर कुछ अधिकारी दो ट्रक के साथ हमारा इंतजार कर रहे थे।'' मजदूरों के बचाव कार्य में शामिल एक अधिकारी ने बताया, ''हमें देर रात दो बजे (रम्बी बाजार के नजदीक के) रेयांग गांव निवासी एक परिचित का फोन आया, जिसने बताया कि पुलिस बचाव कार्य के लिए गई है क्योंकि तीस्ता का जलस्तर बढ़ रहा है। हमने मजदूरों को बचाने का फैसला किया क्योंकि उनका शिविर नदी के किनारे था।'

बंगाल को मनरेगा के बकाया से वंचित नहीं किया; कोष के इस्तेमाल में विसंगतियां: साध्वी निरंजन ज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने पश्चिम बंगाल को कभी भी मनरेगा के बकाया से वंचित नहीं किया है और पिछले नौ वर्षों के आंकड़े यह साबित करते हैं।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के जिलों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना कोष के उपयोग में विसंगतियां हैं। मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इन आरोपों को खारिज किया कि उन्होंने मनरेगा के बकाया के संबंध में बातचीत के लिए नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इनकार कर दिया। ज्योति ने कहा, ''मैं उनसे मिलना चाहती थी और उनका लगभग ढाई घंटे तक इंतजार किया। लेकिन वे अपने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की संख्या को लेकर अड़े रहे।'' उन्होंने दावा किया, ''वे अब झूठे आरोप लगा रहे हैं कि मैं पिछले दरवाजे से भाग गई। टीएमसी झूठ फैला रही है। वे मुझसे मिलना नहीं चाहते थे, वे सिर्फ नाटक करना चाहते थे।'' केंद्रीय मंत्री ने किसी भी समय टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी की नीयत पर सवाल उठाया। इससे पहले, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, पार्टी विधायकों, सांसदों और मंत्रियों के साथ-साथ मनरेगा कामगारों ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था तथा कृषि भवन स्थित ग्रामीण विकास मंत्रालय तक मार्च किया था, जहां उनका ज्योति से मिलने का कार्यक्रम था। हालांकि, करीब डेढ़ घंटे के बाद टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि प्रतिनिधिमंडल में सदस्यों की संख्या पांच तक रखने की बात कहते हुए मंत्री ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया।

भाजपा, कांग्रेस के लुभावने वादों से चुनावी माहौल प्रभावित हो रहा: मायावती

लखनऊ/भाषा। बसपा की प्रमुख मायावती ने कांग्रेस और भाजपा पर आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों द्वारा तरह-तरह के लुभावने वादे किए जाने से चुनावी माहौल प्रभावित हो रहा है। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आगामी चुनावों से पहले कांग्रेस और भाजपा द्वारा किस्म-किस्म के लुभावने वादे किए जाने से चुनावी माहौल प्रभावित हो रहा है, लेकिन प्रश्न यह है कि जो वादे अब किए जा रहे हैं, वे पहले समय रहते क्यों नहीं पूरे किए गए? इस प्रकार की घोषणाओं में गंभीरता कम और छलावा ज्यादा है।' उन्होंने कहा, 'देश की जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार की मार से त्रस्त है, लेकिन कांग्रेस व भाजपा चुनाव में जातीय गणना तथा ओबीसी व महिला आरक्षण को भुनाने में लगी हैं, ताकि अपनी विफलताओं पर पर्दा डाल सकें।

मोदी सरकार की प्राथमिकता गरीबों का विकास, विपक्ष 'हताशा' में आलोचना कर रहा : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता जाति, बिरादरी से परे हटकर समाज के वंचित वर्गों और निचले तबकों के लोगों का विकास है और जो लोग सत्ता में रहते हुए ''कुछ कर नहीं पाए वे हताशा के कारण'' इसकी आलोचना कर रहे हैं।

प्रधान ने 'पीटीआई भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में गरीब कल्याण का एक मॉडल सामने आया है। अभी हम विश्वकर्मा योजना लेकर आए हैं, उसका लाभ सबसे अधिक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को होगा।'' उन्होंने कहा, ''जो भी गरीब हैं उन्हें लाभ मिलेगा क्योंकि गरीब की कोई जाति नहीं होती है, गरीब का कोई मजहब नहीं होता।''

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधान ने कहा, ''जो लोग (कांग्रेस) दायित्व में रहते हुए कुछ नहीं कर पाए, वे लोग उन्हें गाली दे रहे है जो गरीबों की चिंता कर रहे हैं। यह उनके हताशा भाव को स्पष्ट करता है। इसी को मौका-परस्ती और अवसरवादी राजनीति कहते हैं।''

हॉकी खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देगी ओडिशा सरकार , रोहिदास को मिलेंगे डेढ करोड़

भुवनेश्वर/भाषा। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई देते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हर खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य को पांच पांच लाख रूपये नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है जबकि ओडिशा के डिफेंडर अमित रोहिदास को डेढ करोड़ रूपये मिलेंगे। पटनायक ने कहा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाली टीम को उनके इस प्रदर्शन के सम्मान में यह पुरस्कार दिया जायेगा। अमित रोहिदास प्रदेश के उदीयमान खिलाड़ियों के लिये उम्मीद और गर्व का प्रतीक बन गया है। उसकी कामयाबी की दास्तान से हर खिलाड़ी को बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है। हमें उस पर गर्व है ।''

नई ऊंचाइयां हासिल करने की दिशा में बढ़ते कदम: अमित शाह ने 100 एशियाड पदक जीतने पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एशियाई खेलों में भारतीय पदक तालिका के 100 अंक तक पहुंचने की सराहना करते हुए कहा कि यह नई ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए खेल यात्रा की नई शुरुआत है। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने रोमांचक मुकाबले में चीनी ताइपै को 26 . 25 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया और इसके साथ ही हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत के सौ पदक पूरे हो गए। शाह ने 'एक्स' पर कहा, ''एशियाई खेलों में पहली बार हमारी पदक तालिका 100वें अंक तक पहुंची। यह सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए खेल यात्रा की नई शुरुआत है। यह उपलब्धि हमारे खिलाड़ियों के लिए आशा की एक नई किरण बनकर आई है जो ताकत के साथ उत्कृष्टता की राह पर अग्रसर हैं।''

खिलाड़ियों ने जबरदस्त समर्पण दिखाया है: एशियाई खेलों में भारत के 100 पदक जीतने पर राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत ने मौजूदा एशियाई खेलों में 100 पदक जीतकर इतिहास रचा है और देश के खिलाड़ियों ने इस बहुप्रतीक्षित उपलब्धि तक पहुंचने के लिए जबरदस्त समर्पण, कौशल और क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारतीय दल ने एशियाई खेलों में सौ पदक पूरे कर लिये, जब महिला कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को शनिवार को रोमांचक फाइनल में 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। मुर्मू ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 पदक जीतकर इतिहास रचा। हमारे खिलाड़ियों ने इस बहुप्रतीक्षित उपलब्धि तक पहुंचने के लिए जबरदस्त समर्पण, कौशल और क्षमता का प्रदर्शन किया है।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पूरे भारतीय दल को हार्दिक बधाई। देश को आप सभी पर बेहद गर्व है। मैं कामना करती हूं कि आप आगे बढ़ते रहें और भविष्य में और भी उच्च स्तर की उपलब्धियां हासिल करें।''

बृजभूषण ने अदालत से कहा: यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने छह महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को शनिवार को फर्जी बताकर खारिज कर दिया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) हरजीत सिंह जसपाल के समक्ष सिंह के खिलाफ आरोप तय करने या न करने को लेकर सुनवाई शुरू होने पर उनके वकील के माध्यम से यह दावा किया गया।

वकील ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता में से एक यौन उत्पीड़न समिति की सदस्य थी और उसने अप्रैल, 2023 तक कभी भी 2012 की कथित घटना का खुलासा नहीं किया। वकील ने अदालत में कहा, ''उसने यह आरोप इसलिए लगाए, क्योंकि वह ओलंपिक 2015 के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। हर शिकायत के पीछे एक कारण होता है। हर आरोप झूठा है... लगभग हर शिकायतकर्ता ने अपना बयान बदला। आरोपी को फंसाने के लिए दिखावटी और मनगढ़ंत बयान दिए गए।'

सिंह के खिलाफ आरोपों पर बचाव पक्ष की आंशिक दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई 16 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार को यहां एशियाई खेलों के क्रिकेट मैच का फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया जिससे रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम को उच्च वरीयता के कारण विजेता घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगानिस्तान की टीम ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 112 रन बनाये थे। इसके बाद लगातार बारिश के कारण यहां के 'झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी' क्रिकेट मैदान में खेल नहीं हो सका।

अफगानिस्तान की शुरुआत काफी खराब रही। टीम ने शुरुआती चार ओवर में 12 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। शिवम दुबे (1-0-4-1) जुबैद अकबरी (पांच) को आउट किया जबकि अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद (चार) अर्शदीप सिंह (3-0-17-1) का शिकार बने। नूर अली जादरान (एक) गफलत का शिकार हो कर रवि बिश्नोई की थ्रो पर रन आउट हो गये। शहीदुल्लाह ने 43 गेंद में नाबाद 49 रन की पारी खेल टीम का संकट से बाहर निकाला। अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाने वाले इस बल्लेबाज ने अफसर जजई (15) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 रन जोड़े। इस साझेदारी को बिश्नोई (4-0-12-1) ने तोड़ा। वामहस्त स्पिनर शाहबाज अहमद (3.2-0-28-1 ने इसके बाद करीम जन्नत (एक) को बोल्ड किया। कप्तान गुलबदिन नायब ने इसके बाद शाहिदुल्ला के साथ छठे विकेट के लिए 60 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया।

तेंदुलकर की तरह विश्व कप विजेता बनना चाहते हैं रोहित

चेन्नई/भाषा। रोहित शर्मा का सपना भी सचिन तेंदुलकर की तरह वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा बनने का है। तेंदुलकर का सपना 2011 में पूरा हुआ था जो उनका छठा और आखिरी विश्व कप था। रोहित ने दो आईसीसी प्रतियोगिताएं जीती हैं - 2007 टी20 विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी लेकिन उनके नाम पर अभी तक वनडे विश्व कप का खिताब दर्ज नहीं है।

रोहित ने तेंदुलकर के संदर्भ में कहा, ''आपने उसे महान व्यक्ति को कई बार यहां कहते सुना होगा कि जब तक वह विश्व कप नहीं जीत जाते, उनका काम अधूरा ही रहेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि आपको पता चल गया होगा कि मैं किसके बारे में बात कर रहा हूं।'' उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा,'' यही बात हम पर भी लागू होती है। आप विश्व कप जीतना चाहते हैं। यह करियर का सबसे बड़ा पुरस्कार है। लेकिन इसके लिए एक प्रक्रिया है जिसका आपको अनुसरण करना होगा।'' लेकिन भारतीय कप्तान इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि किसी चीज को हासिल करने की बेताबी में नुकसान भी हो सकता है।

सात्विक और चिराग ने एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोइ सोलग्यु और किम वोन्हो को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया । दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने कई बार वापसी करते हुए पहला गेम 29 मिनट में जीता । दूसरे गेम में उन्होंने 15वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर दबाव बनाते हुए 57 मिनट में जीत दर्ज की ।

इस साल मार्च में एशियाई चैम्पियनशिप में 58 साल बाद भारत को पदक दिलाने वाले सात्विक और चिराग ने भारत को 41 साल बाद एशियाई खेलों में पदक दिलाया है । लेरॉय डिसूजा और प्रदीप गंधे ने 1982 में कांस्य पदक जीता था । एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की पहली भारतीय जोड़ी है । उन्होंने सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैम्पियन आरोन चिया और सोह वूइ यिक को हराया था ।

एशियाई खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में भारत का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है । भारत ने पुरुष युगल स्वर्ण, टीम रजत और पुरुष एकल कांस्य जीता । जकार्ता में भारत ने एक रजत और एक कांस्य जीता था। इस जीत के साथ सात्विक और चिराग बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो जायेंगे । उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, 2022 थॉमस कप खिताब और 2022 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य जीता था। दोनों एशियाई चैम्पियनशिप स्वर्ण, इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस ओपन सुपर 300 भी जीत चुके हैं ।

सुविचार

ये मत सोचना के आस छोड़ दी है, बस अब मैंने तेरी तलाश छोड़ दी है।

ट्वीट

कोटा में सरेआम महिला की हत्या किया जाना कांग्रेस सरकार में ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था का प्रतीक है।राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ़ अपराधों में बेहिसाब बढ़ोतरी के ज़िम्मेदार मुख्यमंत्री जी स्वयं हैं क्योंकि वे राज्य के गृहमंत्री भी हैं।

-दिया कुमारी

जनता की आवाज उठाने पर गहलोत जी के समर्थक असभ्यता पर उतर आते हैं लेकिन इससे ये सच नहीं बदल सकता कि राजस्थान में अपराध सबसे बड़ा मुद्दा है और सरकार इसकी अनदेखी करती है। कोटा में सरेआम महिला की चाकुओं के वार से हत्या कुछ दिनों बाद एक और प्रकरण बन कर रह जाएगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

श्राद्ध

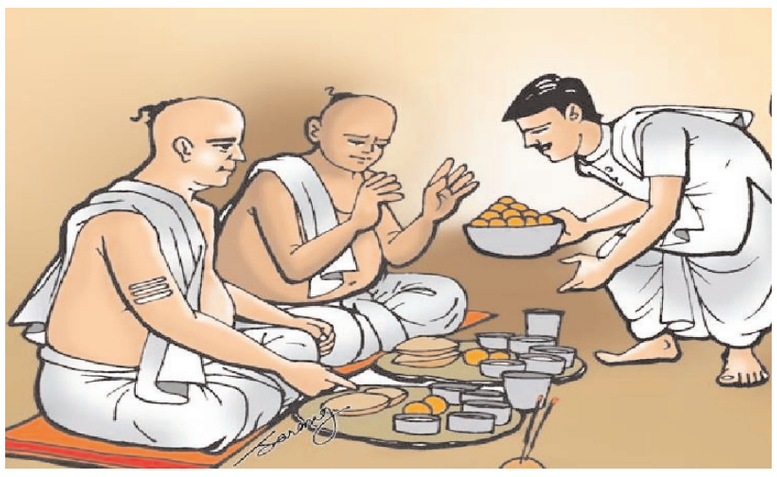

सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक के इस्तेमाल से मेरे कई व्यक्तियों और परिवारों से अतीत में खो चुके रिश्ते फिर से जीवंत हो गए थे। मेरे फेसबुक एकाउंट पर आई एक फ्रेंड रिक्वेस्ट की प्रोफाइल देखने पर पता चला कि वह मेरे बचपन के मित्र राजन की थी। उसकी फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद मेरे जेहन में राजन और उसके परिवार की धुंधली होती हुई यादें ताजा हो गई थी। राजन दसवीं कक्षा तक स्कूल में मेरा सहपाठी था। उसके परिवार में उसके सरकारी अधिकारी पिताजी (बाबूजी) और बड़ी बहिन रजनी थे। राजन जब आठवीं कक्षा में था तब उसकी माताजी का निधन हो गया था। दोनों बच्चों का बचपन अपने पिताजी के स्नेह की छांव तले बीता था। दसवीं कक्षा तक हमारा एक दूसरे के घर आना जाना होता था।

दसवीं कक्षा के बाद पढ़ने के लिए मैंने विज्ञान विषय और राजन ने कला विषय लिया था। बारहवीं कक्षा के बाद मेरा मेडिकल की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में चयन हो गया था। उसके बाद राजन से मेरा सम्पर्क फेसबुक के माध्यम से ही हुआ था। वह अपने उसी शहर में सरकारी कॉलेज में समाजशास्त्र विषय का लेक्चरर था। मैं दूसरे शहर के मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में लेक्चरर था। राजन के साथ फेसबुक और व्हाट्सएप्प पर हमारी चैटिंग से पता चला कि रजनी का विवाह बहुत पहले हो चुका था । उनके पिताजी रिटायरमेंट के बाद राजन के साथ रहते थे। सोशल मीडिया के कारण हमारे रिश्ते फिर से आगे बढ़ने लगे थे। राजन की फेसबुक पोस्ट देखकर और पढ़कर लगता था कि आज की इस दौड़ भाग वाली ज़िंदगी में भी उन दोनों भाई बहिन के परिवार में इतना बढ़िया तालमेल , आत्मियता और प्यार था। उसके परिवार के प्रति मेरी सकारात्मक सोच बन गई थी।

राजन द्वारा त्यौहार और किसी विशेष दिन पर उसकी फेसबुक पोस्ट की टिप्पणियों से मैं खासा प्रभावित था। फादर्स डे पर उसने अपने पिता की दोनों बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हुए की फोटो पोस्ट कर लिखा हमारे लिए तो हर दिन फादर्स डे है। दिन की शुरुआत हम पिता के चरण स्पर्श कर करते हैं। कहीं भी जाने से पहले पिता का आशीर्वाद लेना नहीं भूलते। शाम को उनके साथ बैठकर दिन भर के अपने कार्य के बारे में बातचीत करते हैं। माता – पिता को हम एक पल नहीं भूला सकते और उनका कर्ज ताउम्र नहीं चुका सकते। उनके लिए साल में केवल एक ही दिन क्यों ? बच्चों का अपने पिता को इस दिन उपहार देना तर्कसंगत और व्यावहारिक नहीं लगता । कुछ इसी तरह की भावनाएं उसने मदर्स डे पर भी अभिव्यक्त करी थीं। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर राजन ने अपने माता – पिता की फोटो पोस्ट कर लिखा मेरे जीवन के प्रथम गुरुजनों को शत – शत नमन। जिन्होने मुझे जीवन की कठिन राहों पर चलना सिखाया।

गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही थी। उन्ही दिनों श्राद्ध पक्ष में मुझे मेडिकल कॉलेज में परीक्षा लेने राजन के शहर जाना पड़ा । मेरा व्यस्तता के कारण राजन से सम्पर्क नहीं हो सका। शाम को कॉलेज से होटल आने के बाद राजन को मोबाइल फोन पर कॉल किया तो वह किसी अन्य कॉल में व्यस्त था। मेरे पास उसके घर का पता था । मैं टैक्सी में उसके घर चला गया। घर के मुख्यद्वार के भीतर एक बुजुर्ग कुर्सी पर बैठे थे। कुर्सी के सहारे लकड़ी की एक छड़ी और उनके पास ही जमीन पर पीने के पानी की बोतल रखी थी। अंदर मकान पर ताला लगा था। मैं उन्हे पहचान गया। वो राजन और रजनी के बाबूजी थे। उनके चरण स्पर्श करते हुए मैंने उन्हे अपना परिचय दिया। उन्होंने बताया कि राजन किसी पार्टी में गया हुआ था। मैं जाने लगा तो उन्होने मुझे रोककर पास में बैठने के लिए कहा।

इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता , गर्मी और उमस के कारण पसीने से लथपथ बाबूजी का शरीर कांपने लगा। उनके शरीर से रिसती पसीने की बूंदें जमीन पर पड़ने लगीं। मैंने रुमाल निकालकर उनका पसीना पोंछा और उन्हे पानी पिलाया। पानी में बाकी बची ठंडक से उन्हे कुछ चैन मिला । मैं आश्चर्यचकित सा खोजपूर्ण दृष्टि से उनके।चेहरे की ओर देखने लगा। घर में बुजुर्ग अपने बच्चों से यही उम्मीद रखते हैं कि वो उनके बुढ़ापे का सहारा बनेंगे। परन्तु यहां सहारा तो दूर राजन के पास बाबूजी को घर के अंदर बैठाने की जगह तक नहीं थी। राजन उनकी गर्मी और उमस में परवाह किए बगैर अपनी ज़िंदगी में रमा था। मुझे राजन के फेसबुक पर पोस्ट की गई आदर्श की बातें , विचार और दावे खोखले नजर आने लगे थे।

बाबूजी से बातचीत के दौरान मुझे पता चला कि उनके दोनों बच्चों के परिवार के सदस्यों में लम्बे समय से कोई बोलचाल नहीं थी। रजनी अपने परिवार के साथ दूसरे शहर में रहती थी। वह उन्हे अपने साथ चलने और रहने के लिए बहुत कहती थी। लेकिन बाबूजी की भी सामाजिक मजबूरियां थीं । जिनके कारण वे अपनी पुत्री के घर लम्बे समय के लिए नहीं रह सकते थे। उनकी पेंशन के रुपये हर महीने राजन ले लेता था। राजन की पत्नी नेहा कई बार उन्हें फ्रिज में रखा रात का बचा हुआ खाना सुबह खिला देती थी। बाबूजी अपनी ज़िंदगी की ढलती शाम सुकून के साथ गुजारना चाहते थे। लेकिन राजन और नेहा के पास उनके लिए समय नहीं था। परिवार में रहते हुए भी बाबूजी एक निष्कासित और उपेक्षित व्यक्ति की तरह अपना समय व्यतीत कर रहे थे। उन्हे एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए भी सहारे की जरुरत पड़ती थी। जिसके लिए वे छड़ी को अपना सहारा बनाते थे। बाबूजी के दिल का दर्द आंसुओं के साथ बह निकला। मैंने बड़ी मुश्किल से उन्हे संभाला। उन्होने मुझे घर के बाहर की लाइट जलाने का कहते हुए बाद में आकर राजन से मिलने के लिए कहा।मेरा उन्हे इस तरह अकेला छोड़कर जाने का मन नहीं कर रहा था।

होटल में आकर अपने कमरे में बेड पर लेटा हुआ मैं सोचने लगा कि राजन के परिवार में समय के साथ रिश्तों के सूत्र भी बदल गए थे। उनके करवट लेते रिश्ते बुजुर्ग पिता को आहत कर रहे थे। दोनों बच्चों के परिवार के सदस्यों के बीच संवादहीनता और मौन भाव ने घुन का रुप लेकर उनके रिश्ते को तार – तार कर दिया था। यह उनमें व्याप्त नैतिक शून्यता और संवेदनहीनता को दर्शाता था।

अगले दिन सुबह राजन ने मुझे फोन कर मेरी सहूलियत के अनुसार शाम को घर पर आने के लिए कहा। मुझे रात को ग्यारह बजे वाली ट्रेन से अपने शहर लौटना था। मैंने उसे हामी भर दी। शाम को राजन के घर जाने पर मुझे उसके व्यवहार में औपचारिकताएं ज्यादा महसूस हुई। मेरे यहां एक दिन पहले आकर बाबूजी से मिलकर जाने से वह खुश नहीं था। उसके ड्राइंग रुम में बैठे बातचीत करते हुए बहुत देर हो जाने के बाद मैंने उसे बाबूजी से मिलवाने के लिए कहा। वह नहीं चाहते हुए भी उन्हे ड्राइंग रुम में लेकर आया। बाबूजी ने वहां रखे हुए ने फर्नीचर को देखकर पूछा बेटा राजन , यह कब खरीदा ?..... यह सुनते ही राजन ने जिस निगाह से बाबूजी को देखा वे सहम कर चुप हो गए। नेहा बीच में ही बोलने लगी बाबूजी , आपको बताया तो था। शायद आप भूल गए। इसको खरीदे हुए सात महीने हो गए। यह सब देखकर और सुनकर मैं हैरान रह गया। मुझे यह समझते देर नहीं लगी कि कल बाबूजी ने अपने परिवार के जो हालात बयान किए थे उनमें कितनी सच्चाई थी।

अचानक मेरी नजर वहां दीवार पर लगी राजन की माताजी की तस्वीर पर पड़ी। उसमें माताजी के जन्म और स्वर्गवास की तारीख और तिथि भी लिखी थी। तिथि के अनुसार उस दिन उनका श्राद्ध था। मैंने राजन से कहा यार , समय पंख लगाकर कैसे उड़ गया पता ही नहीं चला। तुम्हारी माताजी का स्वर्गवास हुए पैंतीस साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। और आज उनका श्राद्ध भी है।..... यह सुनते ही राजन और नेहा सकपका गए और एक दूसरे का चेहरा देखने लगे। मैं समझ गया कि उन्हे पूरे दिन माताजी के श्राद्ध की तिथि याद ही नहीं आई। उस समय रात के आठ बजे थे। नेहा बाबूजी को कहने लगी हमें काम की व्यस्तता के कारण मां के श्राद्ध की तिथि का ध्यान नही रहा। आप तो याद दिला सकते थे ?.... जिस लहजे में उसने कहा वह मेरी बर्दाश्त से बाहर था। मैं अपने मन को मारकर चुप रहा।

बाबूजी की आंखों से झलकते दर्द और विवशता को मैं समझ सकता था। उस दिन एक बेबस बुजुर्ग अपनी दिवंगत पत्नी का श्राद्ध तक नहीं कर सका था। उनकी आंखें आंसुओं के धुंधलके में अपनी पत्नी की तस्वीर को एकटक देख रही थीं। मैंने वहां के सारे हालात भांपकर बाबूजी के चरण स्पर्श किए और राजन को बिना कुछ कहे अपने होटल आ गया। मैं चाहता तो राजन को बहुत कुछ सुना सकता था। परन्तु उस पर राई – रत्ती भर असर नहीं पड़ता। क्योंकि उस परिवार में रिश्तों के पन्ने लिखे जाने के बाद कोरे कागज में बदल चुके थे।बाबूजी द्वारा बनाए गए रिश्तों के घरौंदे को समय के साथ उनके पुत्र की प्रवृत्तियों और आचरण ने तोड़ दिया था। वे टूटे हुए घरौंदे की याद को मन में संजोए हुए थे। बाबूजी रोशनी से जगमगाए अपने ही बनाए मकान के एक कोने में बने अंधकारमय कमरे में एकाकी जीवन जी रहे थे। राजन और नेहा के लिए श्रद्धा और श्राद्ध के कोई मायने नहीं थे।

होटल पहुंचकर खाना खाने के बाद मैं अपना सामान लेकर स्टेशन चला गया। ट्रेन के डिब्बे में अपनी बर्थ पर लेटा हुआ मैं कई बातें सोच रहा था। राजन जैसे व्यक्ति को परिवार की परिभाषा ही नहीं पता थी। वह स्टूडेंटस को समाजशास्त्र कैसे पढ़ाता होगा ? राजन द्वारा फेसबुक पर लिखी गई रिश्तों की इबारतें खोखली और झूठी साबित हुई थी।मैंने उसके चेहरे पर लगे मुखौटों के पीछे उसका असली चेहरा देख लिया था। मैं उसके अनेक रुप देख और जान चुका था। उसके चेहरे से बड़ा मुखौटा मैंने नहीं देखा था। इस चेहरे के पीछे की दुनिया , मानसिकता और विचार मेरे सामने थे।

बाबूजी की याद में मेरी आंखें भावनाओं की लहरों से गीली हो गईं। उनकी अपने दोनों बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हुए फोटो मेरी आंखों में बस सी गई थी। राजन द्वारा फेसबुक पर शेयर की गई सभी बातें यथार्थ के धरातल पर साफ खोखली नजर आ रही थीं। मुझे राजन को फेसबुक फ्रेंड्स लिस्ट से तुरन्त हटाना था। राजन के साथ मेरे संबंध और संपर्क का हमेशा के लिए अन्त हो गया था। जिनका श्राद्ध भी नहीं करना था। लेकिन मैं सोचने लगा कि क्या इन सबके बावजूद राजन के बाबूजी का चेहरा अपनी आंखों के आगे से ताउम्र हटा पाऊंगा ?

सुधीर केवलिया
संपर्क : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

हर काल, हर हाल !

संध्या समय प्राय: बालकनी में मालाजप या ध्यान के लिये बैठता हूँ। देखता हूँ कि एक बड़ी-सी छिपकली दीवार से चिपकी है। संभवत: उसे मनुष्य में काल दिखता है। मुझे देखते ही भाग खड़ी होती है। वह भागकर बालकनी के कोने में दीवार से टिकाकर रखी इस्त्री करने की पुरानी फोल्डिंग टेबल के पीछे छिप जाती है।

बालकनी यूँ तो घर में प्रकाश और हवा के लिए आरक्षित क्षेत्र है पर अधिकांश परिवारों की बालकनी का एक कोना पुराने सामान के लिये शनैः-शनैः आरक्षित हो जाता है। इसी कोने में रखी टेबल के पीछे छिपकर छिपकली को लगता होगा कि वह काल को मात दे आई है। काल अब उसे देख नहीं सकता।

यही भूल मनुष्य भी करता है। धन, मद, पद के पर्दे की ओट में स्वयं को सुरक्षित समझने की भूल। अपने कथित सुरक्षा क्षेत्र में काल को चकमा देकर जीने की भूल। काल की निगाहों में वह उतनी ही धूल झोंक सकता है जितना टेबल के पीछे छुपी छिपकली।

एक प्रसिद्ध मूर्तिकार अनन्य मूर्तियाँ बनाता था। ऐसी सजीव कि जिस किसीकी मूर्ति बनाये, वह भी मूर्ति के साथ खड़ा हो जाय तो मूल और मूर्ति में अंतर करना कठिन हो। समय के साथ मूर्तिकार वृद्ध हो चला। ढलती साँसों ने काल को चकमा देने की युक्ति की। मूर्तिकार ने स्वयं की दर्जनों मूर्तियाँ गढ़ डालीं। काल की आहट हुई कि स्वयं भी मूर्तियों के बीच खड़ा हो गया। मूल और मूर्ति के मिलाप से काल सचमुच चकरा गया। असली मूर्तिकार कौनसा है, यह जानना कठिन हो चला। अब युक्ति की बारी काल की थी। ऊँचे स्वर में कहा, 'अद्भुत कलाकार है। ऐसी कलाकारी तो तीन लोक में देखने को नहीं मिलती। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकार ने इतनी बड़ी भूल कैसे कर दी? मूर्तिकार ने तुरंत बाहर निकल कर पूछा, कौनसी भूल? काल हँसकर बोला, स्वयं को कालजयी समझने की भूल।

दाना चुगने से पहले चिड़िया अनेक बार चारों ओर देखती है कि किसी शिकारी की देह में काल तो नहीं आ धमका? ...चिड़िया को भी काल का भान है, केवल मनुष्य बेभान है। सच तो यह है कि काल का कठफोड़वा तने में चोंच मारकर भीतर छिपे कीटक का शिकार भी कर लेता है। अनेक प्राणी माटी खोदकर अंदर बसे कीड़े-मकोड़ों का भक्ष्ण कर लेते हैं। काल, हर काल में था, काल हर काल में है। काल हर हाल में रहा, काल हर हाल रहेगा। काल से ही कालचक्र है, काल ही कालातीत है। उससे बचा या भागा नहीं जा सकता।

थोड़े लिखे को अधिक बाँचना, बहुत अधिक गुनना।

बोध कथा

सुनहरा पौधा

तेनालीराम हर बार अपने दिमाग का इस्तेमाल करके ऐसा कुछ करते थे कि विजय नगर के महाराज कृष्णदेव दंग रह जाते थे। इस बार उन्होंने एक तरकीब से राजा को अपने फैसले पर दोबारा विचार करने को मजबूर कर दिया। हुआ यूं कि एक बार राजा कृष्णदेव किसी काम के चलते कश्मीर चले गए। वहां उन्हें एक सुनहरे रंग का खिलने वाला फूल दिखा। वो फूल महाराज को इतना पसंद आया कि वो अपने राज्य विजयनगर लौटते समय उसका एक पौधा अपने साथ लेकर आ गए।

महल पहुंचते ही उन्होंने माली को बुलाया। माली के आते ही महाराज ने उससे कहा, देखो! इस पौधे को हमारे बगीचे में ऐसी जगह लगाना कि मैं इसे अपने कमरे से रोज देख सकूं। इसमें सुनहरे रंग के फूल खिलेंगे, जो मुझे

काफी पसंद हैं। इस पौधे का काफी ख्याल रखना। अगर इसे कुछ भी हुआ, तो तुम्हें प्राण दंड भी मिल सकता है।

माली ने सिर हिलाते हुए राजा से पौधा लिया और उनके कमरे से दिखने वाली जगह में उसे लगा दिया। दिन रात माली उस फूल का खूब ख्याल रखता था। दिन जैसे ही बीतते गए उसमें सुनहरे फूल खिलने लगे। रोज राजा उठते ही सबसे पहले उसे देखते और फिर दरबार जाते थे। अगर किसी दिन राजा को महल से बाहर जाना पड़ता था, तो उस फूल को न देख पाने के कारण उनका मन दुखी हो जाता था।

एक दिन जब राजा सुबह उस फूल को देखने के लिए अपनी खिड़की पर आए, तो उन्हें वो फूल दिखा ही नहीं। तभी उन्होंने माली को बुलवाया। महाराज ने माली से पूछा, वो पौधा कहा गया। मुझे उसके फूल क्यों दिख नहीं रहे हैं। जवाब में माली ने कहा, साहब! उसे कल शाम को मेरी बकरी खा गई।

इस बात को सुनते ही उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने सीधे राजमाली को दो दिन बाद मौत की सजा सुनाने का आदेश दे दिया। तभी वहां सैनिक आए और उसे जेल में डाल दिया। माली की पत्नी को जैसे ही इस बारे में पता चला, वो दरबार में राजा से फरियाद करने पहुंची। गुस्से में महाराज ने उसकी एक बात न सुनी। रोते-रोते वो दरबार से जाने लगी। तभी एक व्यक्ति ने उसे तेनालीराम से मिलने की सलाह दी।

रोते हुए माली की पत्नी ने तेनालीराम को अपने पति को मिली मौत की सजा और उस सुनहरे फूल के बारे में बताया। उसकी सारी बात सुनकर तेनालीराम ने उसे समझा-बुझाकर घर भेज दिया।

अगले दिन गुस्से में माली की पत्नी उस सुनहरा फूल खाने वाली बकरी को चौराहे में ले जाकर डंडे से पीटने लगती है। ऐसा करते-करते बकरी अधमरी हो गई। विजयनगर राज्य में पशुओं के साथ इस तरह का व्यवहार करना मना था। इसे क्रूरता माना जाता था, इसलिए कुछ लोगों ने माली की पत्नी की इस हरकत की शिकायत नगर कोतवाल को कर दी। सारा मामला जानने के बाद नगर कोतवाल के सिपाहियों को पता चला कि यह सब माली को मिले दंड की वजह से वो गुस्से में कर रही है। यह जानते ही सिपाही इस मामले को दरबार में लेकर गए। महाराज कृष्णराज ने पूछा कि तुम एक जानवर के साथ इतना बुरा व्यवहार कैसे कर सकती हो? ऐसी बकरी जिसके कारण मेरा पूरा घर उजड़ने वाला है। मैं विधवा होने वाली हूं और मेरे बच्चे अनाथ होने वाले हैं, उस बकरी के साथ कैसा व्यवहार करूं महाराज माली की पत्नी ने जवाब दिया। राजा कृष्णराज ने कहा, तुम्हारी बात का मतलब मैं समझ नहीं पाया। ये बेजुबान जानवर तुम्हारा घर कैसे उजाड़ सकता है? उसने बताया, साहब! ये वही बकरी है जिसने आपके सुनहरे पौधे को खा लिया था। इसकी वजह से आपने मेरे पति को मौत की सजा सुना दी है। गलती तो इस बकरी की थी, लेकिन सजा मेरे पति को मिल रही है। सजा असल में इस बकरी को मिलनी चाहिए, इसलिए मैं इसे डंडे से पीट रही थी।

अब महाराज को यह बात समझ आई कि गलती माली की नहीं, बल्कि बकरी की थी। यह समझते ही उन्होंने माली की पत्नी से पूछा कि तुम्हारे पास इतनी बुद्धि कैसे आई कि इस तरह से मेरी गलती के बारे में समझा सको। उसने कहा कि महाराज, मुझे रोने के अलावा कुछ भी नहीं सूझ रहा था। यह सब मुझे पंडित तेनालीराम जी ने समझाया है।

प्रेरक प्रसंग

अनमोल उपहार

भगवान ने मनुष्य को खुशियों का खजाना दिया परन्तु अफ़सोस की बात है की मनुष्यों ने इस अनुपक खजाने का मोल समझ नहीं पाया और हमेसा दुरुपयोग किया। इससे भगवान को अत्यंत दुःख हुआ और उन्होंने देवताओं की एक सभा बुलाई और सभी देवताओं से चर्चा किया की मनुष्यों को इस अनमोल उपहार का ज्ञान किस तरह कराया जाये। चर्चा चली फिर एक देवता ने कहा, यह तो बिल्कुल सरल है भगवन, आप ने ही मनुष्यों को को यह अनुपम उपहार दिया है। सो मनुष्यों को इसकी कद्र नहीं है तो आप इसे वापस ले लीजिये। भगवन बोले, नहीं कभी नहीं उपहार मनुष्यों को दिया जा चूका है और दिए हुए उपहार को वापस लेना सोभा नहीं देता। दूसरे देवता बोले, भगवन हम इस उपहार को किसी ऐसी जगह छुपा देते हैं जिससे मनुष्य इसे आसानी से ढूंढ ना सके। अन्य देवतागण बोले, परन्तु वह जगह कौन सा होगा जहाँ उपहार को छुपाया जाये। कोई देवता बोले इसे समुद्र की गहराई में छुपा देते हैं। भगवन बोले मनुष्य समुद्र की गहराई में भी गोता लगाकर इसे प्राप्त कर कर लेगा।

अन्य देवतागण बोले तो चलिए इसे

समुद्र के बीचो बीच दबा देते हैं। भगवन बोले, मनुष्य ऐसे-ऐसे मशीनों का अविष्कार कर लेगा, जो जमींन की गहराइयों को भी खोद कर यह उपहार प्राप्त कर लेगा। इस तरह चर्चा चलती रही, परन्तु कोई सुझाव ही पसंद नहीं आ रहा था। भगवान एक-एक करके सारे सुझाव को नकारते ही जा रहे थे। बहुत सोंच विचार के बाद अंत में स्वयं भगवन को एक सुझाव आया। भगवन बोले इस उपहार को मनुष्य के भीतर ही छुपा दिया जाये, मनुष्य अपने बाहार, आस-पास हमेसा खुशियां और प्रसन्ता ढूंढता रहेगा परन्तु खुशियों का उपहार उसके भीतर ही होगा। केवल वही व्यक्ति इस अनमोल उपहार को पा सकेगा, जो इस दुनिया को छोड़ अपने भीतर झांक पायेगा। दोस्तों प्रसंग का तात्पर्य यह है की हम खुशियों को अपने आस-पास ढूंढते रहते है परन्तु खुशियों का अनमोल खजाना तो हमेसा हमारे भीतर ही विद्यमान रहता है।

वीर गाथा

राइफलमैन सुरजन सिंह भंडारी: गोलीबारी के बीच 'वज्र' की तरह किया आतंकवादियों पर प्रहार

राइफलमैन सुरजन सिंह भंडारी का जन्म वर्ष 1980 में उत्तराखंड (तब उप्र) के चमोली जिले में हुआ था। माता सुरेशी देवी और पिता ध्रुव सिंह के वीर पुत्र सुरजन सिंह अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वर्ष 1999 में भारतीय सेना में भर्ती हो गए थे।

उन्हें गढ़वाल स्काउट्स बटालियन में शामिल किया गया था। उसके बाद उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के लिए चुन लिया गया। प्रशिक्षण पूरा होने पर उन्हें 51 स्पेशल एक्शन ग्रुप में भेज दिया गया। 24 सितंबर, 2002 को दो आतंकवादियों ने गुजरात के गांधीनगर स्थित अक्षरधाम मंदिर पर हमला कर दिया था।

इसके जवाब में सुरक्षा बलों ने 'ऑपरेशन वज्र शक्ति' का आगाज किया। उसका नेतृत्व 51 एसएजी कर रही थी। सुरजन सिंह भी उस टीम में शामिल थे।

निर्देशों के अनुसार, सुरजन सिंह और उनके साथी विभिन्न स्थानों पर तैनात हो गए। जल्द ही आतंकवादियों से उनका सामना हो गया। अब दोनों ओर से गोलीबारी होने लगी। सुरजन सिंह गोलियों की बौछार के बीच आगे बढ़े। उन्होंने आतंकवादियों के करीब जाकर उन पर गोलीबारी की। वे इस दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए।

सुरजन सिंह ने आतंकवादियों पर गोलीबारी जारी रखी। उन्होंने ग्रेनेड से भी हमला किया। तभी एक आतंकवादी द्वारा गोलीबारी से उनके सिर में चोट लगी। इससे सुरजन सिंह बेहोश हो गए। उन्होंने तब तक आतंकवादियों को जिस तरह उलझाकर रखा, उससे साथी जवानों को मदद मिली। ऑपरेशन में सफलता मिली, आतंकवादियों का खात्मा हो गया।

वहीं, सुरजन सिंह को अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने खूब कोशिशें कीं, लेकिन इस वीर योद्धा के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। वे कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 19 मई, 2004 को भारत मां की गोद में लीन हो गए। राइफलमैन सुरजन सिंह भंडारी को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अनुष्ठान

प्रयागराज में शनिवार को हिंदू तीर्थयात्री 'पितृ पक्ष' की मातृ नवमी के अवसर पर संगम पर अनुष्ठान करते लोग, 16 दिनों की अवधि में हिंदू शनिवार को प्रयागराज में अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देते हैं।

सत्ता पाने के लिए झूठे वादे करने का राहुल गांधी का मॉडल विफल हो गया है : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर सत्ता हासिल करने के लिए 'झूठे' वादे करने का आरोप लगाया और कहा कि गारंटी पूरी नहीं करने का उनका मॉडल कांग्रेस शासित राज्यों में विफल हो गया है।

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में मुफ्त और रियायती बिजली उपलब्ध कराने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, कृषि ऋण माफ करने, महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने और कुछ अन्य गारंटी की घोषणा की है।

ठाकुर ने शुक्रवार रात यहां एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ये गारंटी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विफल हो गईं। वे (कांग्रेस नेता) उन राज्यों में मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं। जब मध्य प्रदेश में उनकी सरकार थी, तब राज्य में हाहाकार मच गया था।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इन राज्यों में कांग्रेस सरकार कृषि ऋण माफ करने और बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने में विफल रही, जैसा कि पार्टी ने पहले घोषणा की थी। उन्होंने गोबर खरीदने और रोजगार देने जैसे अन्य वादों का जिक्र करते हुए कहा, वे केवल चुनावों के दौरान लॉलीपॉप और झूठी गारंटी देने आते हैं। हिमाचल प्रदेश में उन्होंने प्रत्येक महिला के बैंक खाते में प्रति माह 1500 रुपये स्थानांतरित करने की गारंटी दी, लेकिन 10 महीने बाद भी एक रुपया नहीं दिया गया।

ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने विकास पर पैसा खर्च करना बंद कर दिया है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा, मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं-यह कौन-सा मॉडल है? झूठी गारंटी दें और सत्ता हासिल करें, फिर गारंटी पूरी न करें और विकास भी रोक दें। राहुल गांधी का यह मॉडल विफल हो गया है।

ठाकुर, जो खेल और युवा मामलों के मंत्री भी हैं, ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय एथलीटों ने इन खेलों में भारत के लिए अब तक के सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया है।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला कबड्डी टीम द्वारा एक रोमांचक मुकाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराने के बाद भारत ने इन खेलों में अभूतपूर्व 100वां पदक जीता। इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सराहना की।

दौरा

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को पटना के ज्ञान भवन में यात्रा एवं पर्यटन मेला (टीटीएफ) के दौरान विभिन्न राज्यों के स्टालों का दौरा किया।

प्रधानमंत्री ट्रूडो का बिना ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण : यूएसआईएसपीएफ

वाशिंगटन/भाषा। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी का कहना है कि यह ''दुर्भाग्यपूर्ण'' है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले महीने संसद में बिना ठोस सबूत के भारत के खिलाफ आरोप लगाए।

खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद पिछले महीने भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने कनाडा के आरोपों को निराधार करार देकर खारिज किया है। अघी ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में शुक्रवार को कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक महत्वपूर्ण मुद्दे को बिना किसी ठोस सबूत के संसद में उठाया गया और इससे दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए।'' उन्होंने कहा, ''भारत और कनाडा के बीच संबंध काफी पुराने हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत बड़ा है। 2,30,000 से अधिक भारतीय छात्र वहां (कनाडा) पढ़ते हैं। कनाडा ने भारत में लगभग 55 अरब डॉलर का निवेश किया है। ऐसे में, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक देश के प्रधानमंत्री संसद में कहते हैं कि ''विश्वसनीय आरोप'' हैं और यह साबित करने के लिए सबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं कि ये आरोप विश्वसनीय हैं।' यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष अघी ने कहा, ''मुझे लगता है कि परिपक्वता से स्थिति को संभालना होगा, क्योंकि इसका प्रभाव पड़ता है। कनाडा भारत पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका का सहारा लेना चाहता है।'' एक सवाल के जवाब में अघी ने कहा कि कनाडा और भारत के बीच राजनयिक विवाद का भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ेगा, लेकिन लंबी अवधि में भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध गहरे और व्यापक होते रहेंगे। उन्होंने कहा, ''अमेरिका-भारत संबंध भूराजनीतिक हैं। ये आर्थिक मुद्दों और भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों से जुड़े हैं। हां, इसका (भारत-कनाडा विवाद) प्रभाव पड़ेगा, लेकिन लंबी अवधि में संबंध गहरे और व्यापक होते रहेंगे।''

अघी ने दावा किया कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने घरेलू राजनीति और अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए एक सिख बहुल पार्टी पर उनकी निर्भरता के चलते ये आरोप लगाए।

स्वागत

हांग्जो एशियाई खेल पदक विजेता शनिवार को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद तस्वीरों के लिए पोज देते हुए।

कांग्रेस ने 70 साल में पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं किया, उन्हें आरक्षण देने का भी विरोध किया : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पर 70 साल के शासन के दौरान पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी ने इस समुदाय के लोगों के लिए आरक्षण का भी विरोध किया। नागरिक उड्डयन मंत्री ने शुक्रवार को ग्वालियर में पत्रकारों से बातचीत में यह आरोप लगाया।

उनकी यह टिप्पणी बिहार सरकार की जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा की गई 'जितनी आबादी, उतना हक' (जनसंख्या के अनुपात में अधिकार) की वकालत के मद्देनजर आई है। बिहार में हुए जाति सर्वेक्षण में पता चला कि अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) राज्य की

आबादी का 63 प्रतिशत हिस्सा हैं।

बिहार के जाति सर्वेक्षण और उस पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए सिंधिया ने कहा, इस पार्टी (कांग्रेस) ने 70 साल में पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया, ''जब मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान (पिछड़े वर्गों पर) एक आयोग की रिपोर्ट पेश की गई, तब कांग्रेस ने इसका विरोध किया। जब वीपी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया, तो कांग्रेस ने इसका भी विरोध किया। सिंधिया ने कहा, ''लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और पिछड़े वर्गों के लिए काम कर रहे हैं। उनके मंत्रिमंडल में शामिल 60 प्रतिशत सदस्य इन्हीं समुदायों से ताल्लुक रखते हैं।

उन्होंने दावा किया कि यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार है, जिसने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। सिंधिया ने कहा, ''कांग्रेस चुनाव के समय एक नया मुद्दा उठाने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसने अपने लंबे शासन के दौरान इन समुदायों के लिए कभी कुछ नहीं किया। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मध्य प्रदेश में एक बार फिर सरकार बनाएगी। सिंधिया पहले कांग्रेस में थे, लेकिन 2020 में वह भाजपा में शामिल हो गए।

फिल्म 'कर्ण' का दो भागों में होगा फिल्मांकन

मुंबई/एजेन्सी

कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी मचअवेटेड मूवी 'कंगुवा' को लेकर चर्चा में हैं। तमिल सुपरस्टार सूर्या की इस मूवी को निर्देशक शिवा बना रहे हैं। कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या की ये पहली पैन इंडिया मूवी है। इस बीच खबरों की मानें तो कॉलीवुड सुपरस्टार जल्दी ही धमाकेदार बॉलीवुड डेब्यू की भी तैयारी में हैं। खबरों की मानें तो 'जय भीम' स्टार सूर्या जल्दी ही 'रंग दे बसंती' फेम निर्देशक राकेश ओम प्रकाश मेहरा की अगली मूवी 'कर्ण' में नजर आएंगे। ये मूवी भारतीय पौराणिक कहानी महाभारत की कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर कर्ण के किरदार पर केंद्रित होकर दिखाने वाली है। इस फिल्म में तमिल सुपरस्टार सूर्या लीड रोल निभाएंगे। खबर है कि इस मूवी पर मेकर्स पानी

की तरह पैसा बनाने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इस मूवी का बजट 500 करोड़ रुपये रखा गया है।

रिपोर्ट्स की मानें तो कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या की मूवी कर्ण को मेकर्स अगले साल तक फ्लोर पर ले जाएंगे। इस मूवी की शुरुआत तमिल सुपरस्टार सूर्या अपनी फिल्म 'वादी वासाल' को पूरा करने के बाद करेंगे। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर सुधा कोंगरा बना रही हैं। इस मूवी को खत्म होने के बाद ही एक्टर 'कर्ण' की शूटिंग शुरू करेंगे। जबकि, उनकी पहली पैन इंडिया रिलीज मूवी 'कंगुवा' की शूटिंग भी पूरी होने के करीब है। इस मूवी के आखिरी शिड्यूल की शूटिंग जल्दी ही थाइलैंड में शुरू होगी। यही नहीं, खबर है कि महाभारत जैसे बड़े प्रोजेक्ट पर बनने वाली सूर्या की 'कर्ण' को मेकर्स 2 भागों में बनाने वाले हैं। इस फिल्म की बाकी स्टारकास्ट का खुलासा अभी नहीं हुआ है। न ही इस मूवी का अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐलान किया गया है। इधर, एक्टर की अपकमिंग मूवीज की बात करें तो 'कंगुवा', 'वादी वासाल' और 'कर्ण' के अलावा एक्टर अक्षय कुमार स्टारर मूवी 'सोराराई पोट्टरू रीमेक' को लेकर भी चर्चा में हैं। इस मूवी में सूर्या कैमियो करते दिखेंगे। जबकि, इसके साथ ही वो लोकेश कनगराज के साथ अगली फिल्म को लेकर भी चर्चा में हैं।

27 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी नितिन गडकरी बायोपिक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में बायोपिक का चलन काफी रहा है। चाहे फिर वह किसी क्रिकेटर पर बनी फिल्म हो या राजनेता पर। भारतीय जनता पार्टी नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर फिल्म बन चुकी है, जिसमें विवेक ओबेराय ने नरेन्द्र मोदी की भूमिका निभाई थी। इसके अतिरिक्त पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर मैं हूँ अटल बन चुकी है और अब केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी पर भी बायोपिक बन चुकी है और जल्द ही ये सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में मेकर्स ने इस बायोपिक की घोषणा करते हुए इसकी रिलीज डेट के बारे में बताया है। फिल्म का टाइटल है 'गडकरी' और ये 27 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। ये फिल्म मराठी भाषा में बनी है और इसका पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। गडकरी को 'हाईवे मैन ऑफ इंडिया' के नाम से भी जाना जाता है। गडकरी ने देश में हाईवे को नया रूप दिया और उन पर बनी ये फिल्म काफी दिलचस्प होने वाली है। गडकरी पर बनी ये फिल्म 70 एमएम स्क्रीन पर रिलीज होने जा रही है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर जानकारी दी है। कैप्शन में लिखा है, नितिन गडकरी पर बायोपिक 27 अक्टूबर को रिलीज होगी आधिकारिक पोस्टर लॉन्च गडकरी माननीय के जीवन पर आधारित एक मराठी फिल्म। मंत्री नितिनगडकरी जी 27 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फल्म को अनुराग बुसारी ने डायरेक्टर किया है। इसके साथ ही फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। इसके प्रोड्यूसर अक्षय देशमुख हैं।

फिल्म के जरिए लोग नितिन गडकरी के जीवन के कई पहलुओं से रूबरू होने वाले हैं। फिल्म में गडकरी के संघर्ष, जनसंघ से बीजेपी तक के सफर, संघ के स्वयंसेवक के तौर पर उनका योगदान समेत उनके पूरे राजनीतिक सफर को फिल्म के जरिए दिखाया जाने वाला है। हालांकि उनका किरदार कौन एक्टर निभाने वाला है, इसका पता नहीं चल पाया है। आपको बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, शिव सेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे पर भी बायोपिक बन चुकी है।

फिल्म 'अर्धनारी 2' की शूटिंग पूरी

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की आने फिल्म अर्धनारी 2 की शूटिंग पूरी हो गयी है। फिल्म अर्धनारी 2 में यश कुमार के साथ लीड रोल में संयुक्त राय नजर आने वाली है। फिल्म अर्धनारी को लेकर यश कुमार ने कहा कि यह फिल्म मेरी जिंदगी की तमाम फिल्मों से काफी अलग है। इसे भोजपुरी ही नहीं अन्य भाषाओं के भी दर्शकों को देखना चाहिए। फिल्म की कहानी बहुत कुछ कहती है। कहानी तो अभी रिवील नहीं कर सकता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि आप सभी पूरे परिवार के साथ जाकर इस फिल्म को जरूर देखें मजा आएगा । राज किशोर प्रसाद राजू के निर्देशन में सभी कलाकारों ने इस फिल्म में अपना हंड्रेड परसेंट दिया है जिस तरह से आज भोजपुरी फिल्में बन रही है। उसे तरह से लगता है कि जल्द ही हमारी इंडस्ट्री और बड़े मुकाम पर पहुंचेगी इसमें कलाकार और निर्माता के साथ-साथ दर्शकों की भूमिका भी अहम होगी। उन्होंने कहा कि अर्धनारी 2 में संवाद से लेकर संगीत तक आपके दिल को छू लेने वाले हैं। एक्शन भी भरपूर है।रोमांस और इमोशन फिल्म को और भी मजबूत बनाती है।मुझे है कि जब बड़े पर्दे पर यह रिलीज होगी तब आप सभी का खूब आशीर्वाद मिलेगा।

रामा प्रसाद प्रोडक्शन एवं चंद्रवर्षा इंटरटेनमेंट प्रा लि के बैनर से बनी इस फिल्म अर्धनारी के निर्माता अपूर्व मेड़तिया, रामा प्रसाद, मोनिका सिंह, चंद्रेश मेहता हैं। निर्देशक राजकिशोर प्रसाद राजू हैं। लेखक अरविंद तिवारी हैं।छायांकन समीर जहांगीर का है। इस फिल्म में यश कुमार,संयुक्ता राय, अवधेश मिश्रा,रोहित सिंह मटरू, सुबोध सेठ,बालेश्वर सिंह,हीरा यादव और सुशील सिंह मुख्य भूमिका में हैं।

अबूझमाड़ ग्रुप की परफॉर्मेंस को देख इमोशनल हुईं शिल्पा शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस और 'इंडियाज गॉट टैलेंट' सीजन 10 की जज शिल्पा शेट्टी कुंद्रा छत्तीसगढ़ अबूझमाड़ मलखंब ग्रुप की 'बंदेया रे बंदेया' के परफॉर्मेंस को देख इमोशनल हो गईं। टैलेंट बेस्ड रियलिटी शो ने देश की कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं के एक्टस से दर्शकों को हैरान कर दिया है। इस वीकेंड 'यारियां 2' के कलाकार दिव्या खोसला कुमार, मीजान जाफरी और पर्ल वी पुरी स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल होंगे। अबूझमाड़ मलखंब ग्रुप अपने नए एक्ट में छत्तीसगढ़ से 'इंडियाज गॉट टैलेंट' के स्टेज तक के सफर को दर्शाएगा। अबूझमाड़ ग्रुप भी अपनी क्लासिक मल्लखंब शैली में बादशाह को स्पेशल ट्रिब्यूट देगा।अबूझमाड़ ग्रुप की परफॉर्मेंस पर शिल्पा ने कहा, ''इस एक्ट ने मुझे इमोशनल रूप से छू लिया है। मैं उन संघर्षों को अच्छे से जानती हूं, जो आप सभी को इंडियाज गॉट टैलेंट तक पहुंचने के लिए सहने पड़े। हर बार जब आप इस स्टेज पर कदम रखते हैं, तो मुझे आपकी परफॉर्मेंस को देख हैरान हो जाती हूं।'' उन्होंने कहा, मैं आपके जज्बे की कायल हूं। यह वास्तव में प्रेरणादायक है। कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि सफलता के लिए आपका जुनून प्रशंसनीय है। मैं जानती हूं कि आप छत्तीसगढ़ को सम्मान दिलाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

यह पूछकर मुझे हतोत्साहित न करें कि मेरी फिल्म सिनेमाघरों पर कैसा प्रदर्शन करेगी : अक्षय कुमार

मुंबई/भाषा

अभिनेता अक्षय कुमार का कहना है कि वह अपने दर्शकों से ऐसी फिल्में बनाने के लिए प्रेरणा चाहते हैं जो सामाजिक बदलाव लाती हो, भले ही सिनेमाघरों पर इन फिल्मों का प्रदर्शन कैसा भी हो। अक्षय कुमार (56) की नई फिल्म मिशन रानीगंज शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेता ने कहा कि हिंदी सिनेमा एक अच्छे दौर से गुजर रहा है जहां व्यावसायिक और सामग्री-आधारित दोनों फिल्में अच्छा कारोबार कर रही हैं।

अक्षय कुमार ने यहां एक समूह साक्षात्कार में कहा, हम बहुत अच्छे दौर से गुजर रहे हैं जहां लोग हर तरह की फिल्में कर रहे हैं। मैंने दोनों तरह की फिल्में (कंटेंट और मसाला एंटरटेनर) की हैं। यह सोचकर फिल्म ('मिशन रानीगंज') पर दबाव न डालें कि यह कैसा कारोबार करेगी। उन्होंने कहा, मैं उस तरह की फिल्म (व्यावसायिक) कर सकता हूं और उस तरह के नंबर भी पा सकता हूं। लेकिन मैं ऐसी फिल्म करके खुश हूं जो समाज में बदलाव लाती है। अभिनेता ने अपनी फिल्मों - टॉयलेट: एक प्रेम कथा (2017) और पैडमैन (2018) का उदाहरण दिया और कहा कि जब उन्होंने इन फिल्मों को साइन किया था, तो उनके फैसले को लेकर कई लोगों ने हैरानी जताई थी।

अक्षय ने कहा, जब मैंने 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' बनाई, तो हर किसी ने मुझसे कहा कि यह किस तरह का शीर्षक है। मुझसे कहा गया, 'क्या तुम पागल हो? जो शौचालय जैसे विषय पर फिल्म बनाता है। उन्होंने कहा, कृपया यह सोचकर मुझे हतोत्साहित न करें कि यह (मेरी फिल्म) क्या कारोबार करेगी। मुझे हिम्मत दीजिए कि कम से कम इस तरह की फिल्में तो बन रही हैं और ऐसी फिल्मों को हम अपने बच्चों को दिखा रहे हैं। उनकी पिछली फिल्म ओएमजी 2 नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होना शुरू हो गई है और अभिनेता ने कहा कि उन्हें खुशी है कि यह फिल्म अब देश के युवाओं तक पहुंचेगी।

यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अक्षय ने कहा, मैंने इसे युवाओं के लिए बनाया है और मुझे खुशी है कि यह कल नेटफ्लिक्स पर आ रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों को इसके बारे में पता होना चाहिए।

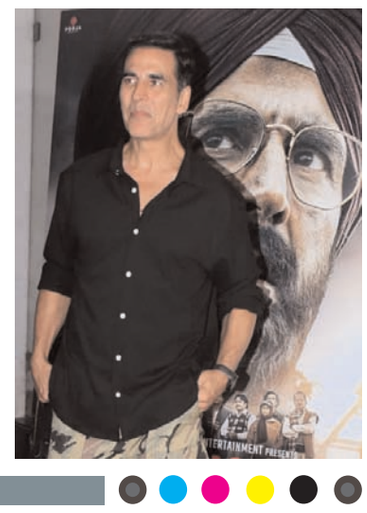

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें समझना होगा कि हर चीज केवल काली या सफ़ेद नहीं होती। इसके बीच एक स्लेटी रंग भी होता है। सौ प्रतिशत आपको ऐसा ही रहना है या अपना तरीका ही ठीक है, यह मानसिकता समस्या से निपटने में मदद नहीं कर सकती। इसलिए कहा जाता है कि लचीले हों तो बुरा समय आपका ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा सकता। कहते हैं न कि तूफान तेज हो तो जो पेड़ सीधा तना हुआ रहता है, उसके उखड़ने का डर रहता है। पेड़ लचीला हो तो तूफान उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाता। हां, वह पेड़ तूफान के दौरान अत्यधिक झुक जाता है या बुरी तरह झकझोर दिया जाता है, लेकिन टूटता नहीं।

'स्व अनुशासित व्यक्ति ही कर सकता सही शासन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुवीभा के तत्वावधान में अणुव्रत समिति की आयोजना में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अन्तर्गत छठा दिवस अनुशासन दिवस के रूप में साध्वी लावण्यश्री के सान्निध्य में तेरापंथ भवन, साहूकारपेट में मनाया गया।

साध्वीश्रीजी के नमस्कार महामंत्र के स्मरण के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। मुख्य व्यक्ता प्रो. श्री दिलीप धींग ने कहा कि अनुशासन के चार स्तम्भ है नशामुक्ति, विनय, संयम और मर्यादा। शराब मांसाहार इत्यादि नशे से व्यक्ति उच्छृंखल बन जाता है, अनुशासनहीन बन जाता है। चार बिन्दुओं- आत्मानुशासन, अनुशासन, प्रशासन, सुशासन पर बताते हुए कहा कि इनमें शासन शब्द सभी में समाहित है। अपने आप पर अनुशासन करने वाला ही दूसरों पर अनुशासन कर सकता है। अनुशासन का बीज है विनय। संयमित और मर्यादित जीवन ही श्रेयष्कर है। डॉ धींग ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से कहा कि अनुशासन जीवन का गहना है। नियमों से गतिमान है प्रगति, कहना नहीं सहना सिखों। अनुशासन का पर्याय है तेरापंथ धर्म संघ।

साध्वी लावण्यश्री ने कहा कि जीवन के लिए जैसे आयुष्य प्राण जरूरी है, उसी तरह अनुशासन तेरापंथ धर्मसंघ का प्राणतत्व है। साधु साध्वियों को अनुशासन जन्म घूंटी के रूप में मिलता है। चार तत्वों से उन्हें अनुप्राणित किया जाता है- मर्यादा, अनुशासन, गुरु आज्ञा और शासन। धर्मपरिषद् को विशेष पाथेय प्रदान करते हुए साध्वी श्री ने कहा कि पारिवारिक जीवन, सामाजिक माहौल, राजनैतिक परिवेश इत्यादि कोई भी स्थल हो वहां पर अनुशासन, विनम्रता जरूरी है। विनम्र व्यक्ति ही झूकता है और स्व अनुशासित व्यक्ति ही शासन, प्रशासन सही ढ़ंग से कर सकता है। साध्वीश्रीजी ने धर्म संघ की अनेकों प्रेरणादायी घटनाओं को उल्लेखित करते हुए कहा कि मकान को सुरक्षित रखते के लिए स्तम्भ, पिलरों का मजबूत होना जरूरी है, उसी तरह धर्मसंघ की प्राणवत्ता में साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका रूपी चारों स्तम्भ सशक्त माध्यम बनते है।

नशायुक्त व्यक्ति स्वयं तो लड़खड़ाता है ही और दूसरों को भी लड़खड़ाता हैं। अतः नशीली, मांसाहारी वस्तुओं को उपभोग में नहीं लेना चाहिए। अणुव्रत समिति मंत्री स्वरूप चन्द दाँती कुशल संचालन करते हुए मुख्य व्यक्ता का परिचय दिया और साध्वीवृन्द के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। तेरापंथ सभाध्यक्ष उगमराज सांड, ट्रस्ट प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड़ ने अणुव्रत समिति की ओर से श्री धींग का साहित्य द्वारा सम्मान किया। साध्वीश्रीजी के मंगलपाठ के साथ कार्यक्रम परिसम्पन्न हुआ।

भाग्य भाग्य के भरोसे बैठे रहने वालों को कुछ नहीं मिलता : देवेंद्रसागरसूरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में प्रवचन देते हुए पूज्य आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने कहा कि इंसान की सफलता में भाग्य उसका साथी है, लेकिन भाग्य ही सब कुछ नहीं होता, बल्कि इंसान के कर्म ही भाग्य की रचना करते हैं, इसलिए हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए, तभी भाग्य का साथ मिलता है। कर्म और भाग्य दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं। कर्म किए बगैर भाग्य नहीं फलता और भाग्य के बगैर कर्म की कोई गति नहीं है। यदि मनुष्य के कर्म अच्छे हैं, तो भाग्य उससे विमुख नहीं हो सकता।

इसके विपरीत भाग्य बलवान है और कर्म अनुकूल नहीं है, तो भाग्य भी उसका अधिक साथ नहीं देता। आचार्य श्री के अनुसार कुछ लोग कहते हैं कि जब भाग्य ही सब कुछ है, तो मेहनत करना बेकार है। वहीं अगर भाग्य में ये लिखा हो कि कोशिश करने पर ही मिलेगा, तब क्या करोगे? सिर्फ भाग्य के भरोसे बैठे रहने वालों को कुछ नहीं मिलता, बल्कि जो कर्म करते हैं, भाग्य उनका साथ देता ही है, साथ ही वे अपने पुरुषार्थ की वजह से कई गुना लाभ प्राप्त करते हैं। किसी का भाग्य कमजोर भी हो, तो व्यक्ति उसे अपने पुरुषार्थ से पूरी तरह बदल सकता है। कर्मवीर ही हर जगह और हर काल में फूलते-फलते हैं। उनमें ऐसे गुण होते हैं कि एक ही क्षण में उनका बुरा समय भी अच्छा बन जाता है। उनके सामने कैसा भी संकट आ जाए, वे बिल्कुल नहीं घबराते हैं। वे परेशान होकर किसी काम को छोड़ते नहीं, बल्कि अपनी असफलताओं का आकलन करके वे पुन: प्रयास शुरू कर देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें सफलता मिलती है।इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन कर्महीन व्यक्ति इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं। कर्म का परिवार और गोत्र इत्यादि से भी कुछ लेना-देना नहीं है। इसलिए जब किसी मनुष्य को ये लगे कि उसका भाग्य उसका साथ नहीं दे रहा है, तो उसे ये अपने आपसे यह बताना चाहिए कि ये दुर्लभ मनुष्य योनि उसे उसी भाग्य की बदौलत मिली है।

कार्यशाला में मशरूम की खेती से उद्यमी बनने में मिलेगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज परिसर में श्रीचंद्रप्रभु जैन कॉलेज के विज्ञान क्लब और रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से तमिलनाडु राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, चेन्नई, एनसीएसटीसी ने 4 अक्टूबर को स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। एपी और एचओडी, रसायन विज्ञान डॉ. जीपी भवानी ने सभा का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता ने अध्यक्षीय भाषण के दौरान मशरूम की खेती और जैविक उर्वरक प्रदर्शन के महत्व के बारे में उल्लेख किया।

प्राचार्य ने यह भी बताया कि यह न केवल छात्रों और स्वयं सहायता समूह के लिए वर्तमान में ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से उपयोगी होगा बल्कि साथ ही इससे उन्हें भविष्य में इससे संबंधित कुछ व्यवसाय शुरू करने के साथ-साथ एक उद्यमी बनने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यअतिथि का स्वागत ललित कुमार ओ.जैन कॉलेज सचिव द्वारा किया गया। मुख्यअतिथि तारामणि के एएमएम मुरुगप्पा चेट्टियार अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक ग्रेड 2 डॉ. जे अरुणकुमार ने समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने एक विशेष व्याख्यान में खाद्य मशरूम, विभिन्न प्रकार की मशरूम खेती, कैसे करें पर विस्तार से बताया। मशरूम को कीड़ों के हमले से कैसे बचाएं और उसका उपचार कैसे करें आदि के बारे में बताया। श्रीनिवासन सहायक प्रोफेसर रसायनशास्त्र के द्वारा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

समय की साधना आत्मा और जीवन की साधना है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। समय की साधना जीवन और आत्मा की साधना है। शनिवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रोताओं को धर्म उपदेश प्रदान करते हुए कहा कि खोई दौलत फिर से कमाई जा सकती है। पर खोया हुआ व्यक्ति का समय किसी प्रकार नहीं लौट सकता, उसके लिए केवल पश्चाताप ही शेष रह जाता है। जो मनुष्य समय का मूल्य समझता है वही समय का सदुपयोग करता हैं परन्तु अधिकांश लोग आलस्य और प्रमाद में पड़े हुए जीवन के बहुमूल्य क्षणों को यों ही बर्बाद और नष्ट कर देते है। इंसान के पास बेकार की बातों के लिए तो समय है पर साधना और आराधना के करने के लिए वक्त नहीं है समय के निकल जाने के बाद हांथ मलने के अलावा कुछ नहीं बचने वाला है संसार की सारी दौलत देने के बाद भी मनुष्य एक क्षण नहीं खरीद सकता है। जीवन व्यवस्था के लिए समय रूपी बहुमूल्य उपहार परमात्मा ने हमे यह शरीर दिया। इसका एक-एक क्षण एक-एक मोती के समान कीमती है जो इन्हें बटोरकर रखता है सदुपयोग करता है वह यहां सुख प्राप्त करता है। गंवाने वाले व्यक्ति के लिए वक्त ही मृत्यु है। वक्त के दुरुपयोग से जीवनी शक्ति का दुरुपयोग होता है और मनुष्य जल्दी ही काल के गाल में समा जाने वाला है। संसार में मानव भव मिलना दुर्लभ है इसे यूही व्यर्थ ना गवाएं। दुबारा से मानव भव मिलना कठिन है। साध्वी स्नेहप्रभा उत्ताराध्यय अध्ययन सूत्र का वांचना करते हुए कहा कि संसार में जब तक व्यक्ति जिंदा है और उसकी सांसें चल रही है तब तक ही घर और परिवार उसका है मरने के बाद न परिवार साथ जाने वाला है और न ही धन दौलत साथ वो ले जा सकता है आत्मा संसार में अकेले ही आई और अकेली है जाने वाली है समय रहते समय का सदउपयोग व्यक्ति कर लेता है तो वह अपनी इस आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा सकता है। साहुकारपेट संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने बताया इस दौरान धर्मसभा में सिरकाली, हैदराबाद कृष्णा नगर श्री संघ के अध्यक्ष शांतिलाल गांधी, प्रकाश सहलोत, मनसुख गुंदेचा, राकेश नाहर आदि का स्वागत किया।

जेएचए अग्रसेन कॉलेज का वार्षिक क्रीडोत्सव समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को जेएचए अग्रसेन कॉलेज में 23वां वार्षिक क्रीडोत्सव समारोह बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विरु. कर्नल अदिम मजूमदार (ग्रुप कमांडर , एनसीसी ग्रुप मुख्यालय चेन्नई ए) को मुख्य अतिथि एवं डॉ. गायत्री गोविंदराज (पूर्व अंतराष्ट्रीय एथलीट एवं इंस्पेक्टर इनकम टैक्स चेन्नई) को विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के उपरांत खेल दिवस की शुरूआत चारों सदनों के छात्रों द्वारा कदम से कदम मिलाते हुए शानदार मॉर्च पास्ट से हुई। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी ली तदुपरांत खेल मसाल को प्रज्वलित कर क्रीडा सचिव एवं सभी सदनों के नेताओं ने शपथ ग्रहण की।

इस समारोह में मार्च पास्ट के अतिरिक्त भाला फेंक, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, खो-खो, कबड्डी वालीबॉल, हॉकी, क्रिकेट आदि विभिन्न प्रकार के कौशलों का शानदार प्रदर्शन किया। सभी अतिथिगणों ने विजेता छात्रों एवं श्रेष्ठ सदन को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया। अंत में प्राचार्य ने छात्रों के प्रयासों और उत्साह की सराहना की।

इस समारोह में कॉलेज के अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, सचिव हरीश कुमार सांधी, उप-सचिव हरीश कुमार लोहिया, कोषाध्यक्ष बाल गोविन्द गुप्ता, मुरारीलाल सोंथालिया, नितिश गुप्ता, मनोहरलाल बगडिया, प्राचार्य डॉ. एम. मोहन कृष्णन, सभी प्राचार्य एवं छात्रों ने अपनी उपस्थिति देकर समारोह की शोभा बढाई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

सीरवी स्पोर्ट्स, ट्रफ बॉक्स क्रिक्रेट लीग प्रतियोगिता में पेरुंगुडी ने जीता खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीरवी स्पोर्ट्स चेन्नई के तत्वाधान में सीरवी समाज टर्फ बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन एम.एस.स्पोर्ट्स एकेडमी मैदान में किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विरुगमबक्कम विधानसभा क्षेत्र के एएमवी प्रभाकर राजा, सीरवी समाज पोरूर बडेर के अध्यक्ष भोलाराम, रामपुरम सीरवी समाज के अध्यक्ष कानाराम का स्वागत किया गया।

इस प्रतियोगिता में वेल्लोर, पोरूर, अय्यप्पनथंगल, सेलियूर, चेंगलपट्टू, व्यासरपाडी, रेडहिल्स, पेरुंगुडी, ईसीआर, नेरकुंड्रम, सीरवी टाइटन, एमजीआर नगर, मेडिपाकम, विल्लीवाक्कम और मनाली से कुल 16 टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया। कुछ मैचों में नेक-टू-नेक गेम देखने को मिला है। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ मैच का पुरस्कार दिया गया।

इस टर्फ बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रथम विजेता पेरुंगुडी टीम रही। वही उपविजेता पोरूर सीरवी स्पोर्ट्स टीम रही तथा तीसरे स्थान पर पोरूर क्रिकेट क्लब टीम रही। मैन ऑफ द सीरीज सेलियूर टीम के अशोक रहे। बेस्ट गेंदबाज बॉयज़ टीम (मडिपाक्म्ब) चिंतन रहे। टूर्नामेंट के बेस्ट फील्डर पोरूर टीम के वी.बी दिनेश रहे। प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा छक्के रुन्स सेलियूर टीम के अशोक ने लगाए। वही सबसे ज्यादा चौके बॉयज़ टीम (मडिपाक्मब) दिलीप ने लगाए। सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पुरूस्कार दिया गया। समिति की ओर से अय्यपंथनगल, कटटूपक्कम, पोरूर क्षेत्र के सभी सदस्यों प्रायोजकों को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया।

जब आत्मा स्थिर हो जाती है तो केवल ज्ञान का उदय होता है : आचार्य उदयप्रभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि मुनि का अर्थ है मानना और समझना। मुनि जागते हुए अच्छे लगते हैं और अमुनि सोते हुए अच्छे लगते हैं। मुनि वह, जो संसार के स्वभाव को जानता और मानता है, जो परमात्मा की आज्ञा मानता और समझता है। मुनि संसार के राग-द्वेष के व्यवहार से रहित होते हैं, क्योंकि वे मानते और समझते हैं। संसार और काया को जो समझते हैं, वे आर्तध्यान, मिथ्यादृष्टि और अविरति की तरफ आकर्षित नहीं होते। शरीर व्याधियों का घर है, मन विचारों का घर है। जो शरीर और मन का स्वभाव समझ सकेंगे, आर्तध्यान, मिथ्यादृष्टि, अविरति आदि दूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा स्वभाव को समझने वाला आत्मस्वभाव को शीघ्र पाता है और विभाव को समझने वाला विभाव में ही रहता है। आचार्यश्री ने कहा बालक जैसी सरलता गौतम स्वामी के जैसी और यौवन की साधना गजसुकुमाल जैसी होनी चाहिए। हमें उपकार का बदला इस तरह चुकाना चाहिए कि उपकारी को दूसरे का उपकार लेना जरूरी नहीं रहे।

आचार्यश्री ने कहा सम्यक् दर्शन का मतलब गुरु, परमात्मा को देखकर अहोभाव की उच्चता को पा लेना, रोम रोम में आनंद के गुब्बारे छूटने लगना। सम्यक दर्शन के लक्षण यह है कि अपने पापों के याद आते ही आंखों में आंसू आ जाए। गुणवान व्यक्ति के प्रति गुणानुवाद प्रगट हो। किसी वस्तु की प्राप्ति महत्वपूर्ण नहीं है, उसको मेंटेन करना महत्वपूर्ण है। जीवन में दुःखों के काल में निश्चय से विचारना चाहिए, व्यवहार से नहीं। ऐसे समय में श्रद्धा को अल्प नहीं करना। श्रद्धा टिकाने से आत्मा शुभध्यान में रहती है। कहा गया है कि जहां एकांतवाद है, वहां पर संघर्ष रहता ही है। अपराधी के साथ भी प्रेम का व्यवहार करने की कोशिश करना। जो कार्य परमात्मा से नहीं हो सकता, वह किसी से नहीं हो सकता, ऐसा सोचना। शासन मात्र साधु-साध्वी से नहीं बल्कि श्रावक-श्राविका से भी चलता है। चतुर्विध संघ के लिए चारों का समन्वय होना जरूरी है। यदि काया को माया से मुक्त करा दो तो संसार का भ्रमण रुक जाएगा। जब अपनी आत्मा एक ही चीज में स्थिर हो जाती है, तभी केवलज्ञान आता है। जिस तरह हिलाया हुआ बीज वृक्ष नहीं बन सकता, इसी तरह हिलाडुला मन केवलज्ञान नहीं देता। आचार्यश्री ने बताया कि रविवार सुबह 222 भद्रतप के तपस्वियों का वधामणा होगा। इस मौके पर तपस्वियों का पचक्खाण और सम्मान समारोह आयोजित होगा। पचक्खाण उत्सव के लाभार्थी गंगादेवी रतनचंद बालगोता परिवार होंगे।

जो भक्ति विरति की ओर ले जाए वही वास्तविक भक्ति है : महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि भक्ति मोक्ष आंखों के सामने आ जाए तो विषय और कषाय को सदा के लिए तिलांजली दे देना चाहिए। मुक्ति में जानेवाले भगवान आंखों के सामने आये बिना रहेंगे नहीं। भगवान की भक्ति तो सभी को बहुत पसंद है। यह भक्ति सर्वपापों की विरति के लिए है। भगवान का भक्त पाप-भोग में रखत नहीं होता। विरक्त भाव से अगर कोई पाप करना भी पड़ जाय तो मन में एक ही वेदना होती है कि कब इन पापों से छुटकारा होगा। परमात्मा की भक्ति और परमात्मा ने बताई सर्वविरतिमय संयम धर्म न पाने की तीव्र इच्छा, ये दोनों ही संसार सागर को पार लगाने का आलंबन है। परमात्मा की भक्ति सर्वविरति के लिए है और सर्वविरतिमय मुक्ति के लिए है। यह बात मन में दृढ बन जाय इसलिए भगवान से प्रतिदिन प्रार्थना कीजिए। जब हमारा संबंध भगवान से निरंतर होता है, तब हमारा जीवन कीचड़ में कमल समान होता है। जो भक्ति विरति की ओर ले जाए वही वास्तविक भक्ति है। भक्ति विरति की और विरति मुक्ति की इति है।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 56 लोग हुए लाभान्वित

चिकबालापुर। शहर के महावीर जैन संघ व प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में एसएस जैन भवन में 218वां नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 56 मरीजों का नेत्र परीक्षण हुआ। 33 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनीत किया गया, जिसका ऑपरेशन जैन मिशन अस्पताल में होगा। इस शिविर में डॉ नरपत सोलंकी, संघ के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी आदि उपस्थित थे।

चिंतन जितना गहन होगा, उतना ही आत्म उत्थान होगा : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि व्यक्ति का चिंतन जितना गहन होगा, उतना ही उसका आत्म उत्थान होगा और वह प्रगति के मार्ग पर बढ़ेगा। अच्छे विचार व्यक्ति को उन्नति की तरफ, तो बुरे विचार व्यक्ति को पतन की राह पर ले जाते है। भारी आत्मा डूब जाती है जबकि हल्की आत्मा भवसागर से पार हो जाती है। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि केवल धर्मात्मा कहलाने से हम पुण्यार्जन नहीं कर सकते है। इसके लिए हमें स्वयं को धर्म से जोड़ना होगा। जिनवाणी सुनना एवं प्रवचन लाभ लेना भी धर्म से जुड़ने का माध्यम है। हम खुद को धर्मात्मा कहलाना तो पसंद करते है लेकिन हमारे काम धर्म के अनुरूप नहीं होते है। उन्होंने कहा कि यदि हम वास्तविक धर्मात्मा बनकर संसार सागर से पार होना चाहते है तो हमे अपने जीवन में धर्म का समावेश करना होगा ओर हमारे कर्म ऐसे हो पाप का क्षय कर पुण्य का बंध करें। हमारे कर्म पाप बढ़ाने वाले हुए तो धर्म कभी नहीं हो सकता। भक्ति अगर भावपूर्वक होती है तो वह सार्थक होती है। भक्ति के माध्यम से परमात्मा से प्रार्थना करे तो वह कबूल हो जाती है लेकिन हम परमात्मा से विभिन्न तरह की याचना करें तो वह पूर्ण नहीं होगी।

अनुशासन दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शनिवार को अणुव्रत समिति और टी-2 एलीफेंट गेट पुलिस स्टेशन के सयुंक्त तत्वावधान में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अन्तर्गत छठा दिवस अनुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। अणुव्रत समिति चेन्नई अध्यक्ष ललित आंचलिया, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस लॉ एंड ऑर्डर पुष्पराज, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस ट्रैफिक जाहिर हुसैन ने वाहन चालकों को रोककर वाहन चलाने के ट्रैफिक नियमों का पालन करने की प्रेरणा दी और संकल्पित कराया। अणुव्रत समिति द्वारा बिना हैलमेट वाले वाहन चालकों को हैलमेट भेंट किये। मंत्री स्वरूप चन्द दाँती ने बताया कि इस कार्यक्रम की रुपरेखा में निर्मला छल्लाणी, वसंतराज छल्लाणी के साथ समिति सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.